■ श्रावण कृष्ण - 10 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 11 ■ अंक - 19 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 10-08-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 वंशवाद की राजनीति, भ्रष्टाचार व तुष्टिकरण की भारत से विदाई जरूरी : भाजपा

6 पाकिस्तान फिर इतिहास दोहराने की तैयारी में?

7 मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूर्वोत्तर एकजुट होगा : शर्मा

फर्स्ट टेक

भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराया

चेन्नई/वार्ता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में चिर-प्रतिद्वंदी पाकिस्तान को 4-0 से रौंदकर अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए लीग चरण का अंत किया। पड़ोसी मुल्क पर भारत की इस एकतरफा जीत में कप्तान हरमनप्रीत सिंह (15वां, 23वां मिनट) ने दो गोल किये, जबकि जुगराज सिंह (36वां मिनट) और आकाशदीप सिंह (55वां मिनट) की हॉकी से एक-एक गोल निकला। यह पाकिस्तान के खिलाफ पिछले 15 मुकाबलों में भारत की 13वीं जीत है, जबकि अन्य दो मैच ड्रॉ रहे हैं। पाकिस्तानी टीम इस हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गयी, जबकि जापान को गोल अंतर के आधार पर सेमीफाइनल में जगह मिली।

देश में अब तक 11,095 निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बुधवार को राज्यसभा को बताया कि पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग केंद्र (आरवीएसएफ) के जरिए देश में अब तक 11,095 निजी वाहनों को स्क्रैप (कबाड़) किया गया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक सवाल के लिखित जवाब में राज्यसभा को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, एक जुलाई 2023 तक, आरवीएसएफ में 11,095 निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में 8,718; गुजरात में 1,730 और मध्य प्रदेश में 340 निजी वाहनों को स्क्रैप किया गया है। गडकरी ने कहा कि उनके मंत्रालय ने वाहन स्क्रैपिंग नीति तैयार की है जिसमें देश भर में पुराने, अनुपयुक्त प्रदूषणकारी वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने के लिए प्रोत्साहन/हतोत्साहन प्रणाली शामिल है।

विश्व बैंक का युगांडा को वित्त पोषण से इनकार

कम्पाला/एपी। विश्व बैंक ने कहा कि वह युगांडा में इस साल की शुरुआत में समलैंगिकता विरोधी कानून लागू करने के बाद पूर्वी अफ्रीकी देश को और कर्ज देने पर विचार नहीं करेगा। मानवाधिकार समूहों और अन्य ने इस कानून की निंदा की है। विश्व बैंक ने मई में यह कानून लागू किए जाने के बाद युगांडा में एक दल को तैनात किया था और यह तय किया था कि परियोजनाओं को बैंक के पर्यावरणीय और सामाजिक मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। विश्व बैंक समूह ने मंगलवार को एक बयान में कहा, अतिरिक्त कदमों का प्रभाव परखने तक हमारे कार्यकारी निदेशक मंडल को युगांडा को कोई और वित्त पोषण दिए जाने का प्रस्ताव पेश नहीं किया जाएगा।

सूर्यास्त 10-08-2023	सूर्योदय 11-08-2023
6:32 बजे	5:56 बजे

BSE	NSE
65,995.81	19,632.55
(+149.31)	(+61.70)

सोना	चांदी
6,183 रु.	77,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

‘अविश्वास प्रस्ताव राजनीति से प्रेरित’

देश और सदन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर पूरा विश्वास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। गृहमंत्री अमित शाह ने लोकसभा में विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को ‘राजनीति प्रेरित’ और देश में ‘भ्रांति’ फैलाने वाला करार देते हुए कहा है कि देश और सदन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर पूरा विश्वास है।

शाह ने बुधवार को सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि जब भी कोई प्रस्ताव सरकार के खिलाफ आता है तो उसमें जनभावनाएं प्रतिबिम्बित होती है लेकिन इस इस प्रस्ताव में न जनता की भावना है और ना ही सरकार के खिलाफ सदन की भावना प्रतिबिम्बित हो रही है। इस प्रस्ताव में सरकार का कहीं कोई विरोध नहीं है इसके बावजूद विपक्ष मोदी सरकार के खिलाफ यह प्रस्ताव लेकर आया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में जनता का विश्वास है और मोदी सरकार का अल्पमत में होने का सवाल ही पैदा नहीं होता है। अविश्वास प्रस्ताव में कहीं भी अविश्वास की झलक नहीं है और मोदी सरकार को जो विश्वास प्राप्त है वह देश की जनता का दिया हुआ है और इसके लिए वह सबका धन्यवाद करते हैं। जनता

का विश्वास नहीं होता तो दो दो बार सरकार चुनकर नहीं आती। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जनता के लिए काम किया है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिमंडल में अविश्वास आपको ‘विपक्ष’ को हो सकता है लेकिन जनता को अविश्वास नहीं है। शाह ने कहा कि देश में आजादी के बाद मोदी सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं। उनका कहना था कि यह बात वह नहीं कर रहे हैं बल्कि यह बात दुनियाभर के सर्वेक्षणों में कही गई है। वह ऐसे प्रधानमंत्री हैं जो 17 घंटे हर दिन काम करते हैं और कभी छुट्टी नहीं लेते हैं। मोदी सरकार ने नौ साल के कार्यकाल में 50 से ज्यादा ऐसे निर्णय लिऐ हैं जो युगांतकारी हैं जबकि इससे पहले कांग्रेस की 35 साल तक सरकार रही है। मोदी सरकार ने अपने नौ साल के कार्यकाल में नए राजनीतिक युग की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासन में देश में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण की राजनीति होती रही है और अब इन तीनों से देश को मुक्ति मिलनी चाहिए।

मणिपुर की घटना शर्मनाक है, लेकिन उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक

नई दिल्ली/भाषा। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि मणिपुर की घटना शर्मनाक है, लेकिन उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है, सरकार की मंशा वहां जनसांख्यिकी में बदलाव करने की कतई नहीं है, ऐसे में सभी पक्षों को मिलकर उस राज्य में शांति बहाली की अपील करनी चाहिए। लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर से जुड़े घटनाक्रम का ब्यौरा दिया और सरकार द्वारा वहां शांति स्थापित करने की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। गृह मंत्री ने मणिपुर में सभी पक्षों से हिंसा छोड़ने की अपील की और कहा कि हिंसा किसी समस्या का समाधान नहीं है।

शाह ने कहा, वे विपक्ष की इस बात से सहमत हैं कि मणिपुर में हिंसा का तांडव हुआ, हिंसक घटनाएं हुईं। वहां जो कुछ भी हुआ, वह शर्मनाक है। उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि वहां जो दंगे हुए वे परिस्थितिजन्य थे और इस पर राजनीति करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता को पता चलना चाहिए कि मणिपुर में अतीत में भी किस तरह से नस्लीय हिंसा होती रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा वहां जनसांख्यिकी को बदलने की कतई नहीं है, इस विषय पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इन घटनाओं में किसी की जान गई है, तो किसी का सम्मान गया है। गृह मंत्री ने कहा, कोई कितना भी दूर क्यों न हो, वह है तो भारत का नागरिक ही। इधर के और उधर के सभी लोगों को वहां शांति की अपील में साथ आना चाहिए।

स्मृति ईरानी ने ‘फ्लाइंग किस’ पर राहुल गांधी की आलोचना की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर सदन में ‘फ्लाइंग किस’ की भाव-भंगिमा प्रदर्शित करते हुए महिला सांसदों के प्रति अभद्र व्यवहार दिखाने का आरोप लगाया और उन्हें स्त्रियों से द्वेष रखने वाला व्यक्ति बताते हुए कहा कि सदन में पहले कभी ऐसा आचरण नहीं देखा गया। बाद में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भेंट की और केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। लोकसभा अध्यक्ष को संबोधित भारतीय जनता पार्टी की 20 महिला सांसदों के हस्ताक्षर वाले शिकायत पत्र में कहा गया है, हम आपका ध्यान आज सदन में केरल के वायनाड से सांसद राहुल गांधी से संबंधित एक घटना की ओर दिलाना चाहती हैं। उक्त सदस्य ने अभद्र आचरण प्रदर्शित किया और उस समय केंद्रीय मंत्री एवं सदन की सदस्य स्मृति ईरानी को लेकर अभद्र भाव-भंगिमा प्रदर्शित की जब वह सदन को संबोधित कर रही थीं।

चांद की सतह के और नजदीक आया चंद्रयान-3

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। भारत का महत्वाकांक्षी तीसरा चंद्र मिशन ‘चंद्रयान-3’ बुधवार को कक्षा घटाए जाने की एक और सफल प्रक्रिया से गुजरने के साथ ही चांद की सतह के और नजदीक आ गया।

‘चंद्रयान-3’ का प्रक्षेपण 14 जुलाई को किया गया था और पांच अगस्त को इसने चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश किया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने एक ट्वीट में कहा, चंद्रमा की सतह के और नजदीक। आज की गई प्रक्रिया के बाद चंद्रयान-3 की कक्षा घटकर 174 किमी 1437 किमी रह गई है। इसने कहा कि अगली प्रक्रिया 14 अगस्त 2023 को पूर्वाह्न 11:30 से अपराह्न 12:30 बजे के बीच निर्धारित है।

महत्वाकांक्षी मिशन के आगे बढ़ने के साथ ही चंद्रयान-3 की कक्षा को धीरे-धीरे कम करने और इसकी स्थिति चंद्र ध्रुवों के ऊपर करने के लिए इसरो द्वारा सिलसिलेवार कवायद की जा रही है।

पुणे निवासी को मिली

प्रधानमंत्री की हत्या और कई जगह बम विस्फोट की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/वार्ता। महाराष्ट्र के पुणे निवासी एक वेबसाइट संचालक ने दावा किया है कि उसे एक संदेश मिला है जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने और देश में कई जगहों पर बम विस्फोट करने की धमकी दी गई है।

पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। वेबसाइट के मालिक राहुल दुधाने के इस खुलासे के बाद पुणे पुलिस ने मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार एम ए मोखीम नामक व्यक्ति ने कथित तौर पर वेबसाइट पर विदेश से संदेश भेजा था। वेबसाइट पर धमकी भरे संदेश में आगे कहा गया, मैं कई आतंकवादी संगठनों को फंडिंग कर रहा हूं। दुधाने ने पुणे सिटी पुलिस के नियंत्रण कक्ष को सूचित करने के बाद पुलिस ने अलंकार पुलिस स्टेशन में एम ए मोखीम के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस अब वेबसाइट पर मौजूद संदेश की सत्यता का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

मुलाकात

बुधवार को नई दिल्ली में सीईओ और महासचिव सौरभ सान्याल के नेतृत्व में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री का एक उच्च स्तरीय केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल विज्ञान और प्रौद्योगिकी, प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), परमाणु ऊर्जा एवं अंतरिक्ष, डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात की।

भारत एक स्वर में कह रहा है भ्रष्टाचार, वंशवाद, तुष्टिकरण भारत छोड़ो : मोदी का विपक्ष पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ में भाग लेने वाले लोगों को बुधवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और महात्मा गांधी द्वारा शुरू किए गए इस आंदोलन को याद करते हुए कहा कि भारत अब भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ एक स्वर में बोल रहा है।

मोदी ने विपक्ष पर परोक्ष रूप से ऐसे समय में निशाना साधा है जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बुधवार को इसी तर्ज पर देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन

कर रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश में ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ की शुरुआत हुई और इस आंदोलन ने अंग्रेजों से आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आंदोलन शुरू होने के पांच वर्ष बाद 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ था। मोदी ने ट्वीट किया, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले महान लोगों को श्रद्धांजलि। गांधी जी के नेतृत्व में, इस आंदोलन ने भारत को औपनिवेशिक शासन से मुक्त करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, आज भारत एक स्वर में कह रहा है: भ्रष्टाचार भारत छोड़ो। वंशवाद भारत छोड़ो। तुष्टिकरण भारत छोड़ो। मोदी ने विपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण की राजनीति करने का बार-बार आरोप लगाया है।

पिछले दिनों एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ की शुरुआत के दिन को ऐतिहासिक करार दिया था और कहा था कि इसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा पैदा की। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ की तर्ज पर ‘भ्रष्टाचार-भारत छोड़ो, वंशवाद-भारत छोड़ो, तुष्टिकरण-भारत छोड़ो’ अभियान चलाने का आह्वान किया था।

गलत सूचना को रोकना महत्वपूर्ण, हेरफेर कर पेश सामग्री के खिलाफ कार्रवाई होगी : यूट्यूब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वीडियो साझा करने की सुविधा देने वाला मंच यूट्यूब ने बुधवार को कहा कि प्रौद्योगिकी विकसित होने और कृत्रिम मेधा (एआई) संचालित उपकरणों के आने के साथ मंचों और समाज के लिए गलत सूचनाओं पर अंकुश लगाना महत्वपूर्ण है।

उसने यह भी कहा कि उपयोगकर्ताओं को गुमराह करने और वास्तविक दुनिया को नुकसान पहुंचाने के इरादे से तकनीकी गड़बड़ी कर पेश सामग्री के खिलाफ वह त्वरित कार्रवाई करेगी।

भारत में यूट्यूब के निदेशक इशान जॉन चटर्जी ने यहां संवाददाताओं से कहा कि यूट्यूब के पास बेहतर सामुदायिक दिशानिर्देश है, जो यह निर्धारित करता है कि मंच पर किस प्रकार की सामग्री की अनुमति है।

एआई आने के साथ यूट्यूब पर उपलब्ध सामग्री से छेड़छाड़ के बारे में पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, तकनीक विकसित होने के साथ सामग्री में छेड़छाड़ न केवल यूट्यूब के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है।

चटर्जी ने कहा, हमारी जो नीति है, वह हिंसा और ग्राफिक सामग्री जैसी विभिन्न चीजों के अलावा गलत सूचना और सामग्री पर अंकुश लगाने के लिए भी है। हमारे मंच पर उपयोगकर्ताओं को गुमराह करने और वास्तविक दुनिया को नुकसान पहुंचाने के लिए तकनीकी रूप से हेरफेर कर लाई गई सामग्री की अनुमति नहीं है और अगर ऐसा होता है, हम कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, हम इस प्रकार की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रक्रियाओं और प्रौद्योगिकियों को लगातार विकसित कर रहे हैं...।

चटर्जी ने कहा कि गलत सूचना पर कार्रवाई मंच के लिए महत्वपूर्ण है। हमने इसके लिए महत्वपूर्ण निवेश और प्रगति की है। लेकिन हम जानते हैं कि इस मामले में हमारा काम कभी पूरा नहीं होता, इसलिए हम इस क्षेत्र में लगातार निवेश करते रहेंगे। यूट्यूब का भारत में स्थानीय संस्करण पेश किए जाने के 15 साल पूरे हो गए हैं।

जडेजा का सबसे अधिक बार किया गया डोप परीक्षण

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के आंकड़ों के अनुसार इस साल जनवरी से मई तक भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने तीन बार डोप परीक्षण के लिए नमूना दिया और इस तरह से वह इस अवधि में सर्वाधिक बार परीक्षण करवाने वाले क्रिकेटर बन गए।

नाडा की वेबसाइट पर जारी की गई नवीनतम सूची के अनुसार वर्ष के पहले पांच महीनों में कुल मिलाकर 55 क्रिकेटरों (पुरुष और महिला, 58 नमूने) का डोप परीक्षण किया गया। इनमें से अधिकतर नमूने प्रतियोगिता से इतर लिए गए।

विश्व कप के नौ मैच का कार्यक्रम बदला,

पाकिस्तान से 14 अक्टूबर को खेलेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच एकदिवसीय विश्व कप का बहुप्रतीक्षित मुकाबला अब शुरुआती कार्यक्रम से एक दिन पहले 14 अक्टूबर को खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को इसकी पुष्टि करते हुए टूर्नामेंट के नौ मैच का कार्यक्रम बदलने की घोषणा की।

नवीनतम अपडेट के बाद पाकिस्तान और इंग्लैंड के तीन-तीन मैच का कार्यक्रम बदला (तारीख या समय) गया है। भारत के दो मुकाबलों की तारीख बदली गई है। नीदरलैंड के खिलाफ 11 नवंबर को होने वाले भारत के अंतिम लीग मैच का भी कार्यक्रम बदला गया है और अब यह बेंगलूरु में 12 नवंबर को खेला जाएगा।

पीटीआई ने हाल में खबर दी थी कि भारत बनाम पाकिस्तान का मैच एक दिन पहले खेला जाएगा। सुरक्षा एजेंसियों ने 15 अक्टूबर को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराने में असमर्थता जताई है क्योंकि यह नवरात्रि का पहला दिन होगा।

नतीजतन अफगानिस्तान के खिलाफ नई दिल्ली में 14 अक्टूबर को होने वाला इंग्लैंड का मैच अब 24 घंटे बाद 15 अक्टूबर को खेला जाएगा।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

तोड़ो नहीं जोड़ो

जन गण मन के गुंजित स्वर की,
लगता है लय टूट रही।
भाईचारे की वल्गाएं,
हाथों से अब छूट रही।
कुछ के हित चिंतन से सबकी,
किस्मत मानो फूट रही।
जोड़ो उन कड़ियों को वापिस,
जिनसे शक्ति अटूट रही।।

‘मुझे यहां से बाहर निकालो, मैं जेल में नहीं रहना चाहता’ : इमरान खान ने वकीलों से कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपने वकीलों से कहा है कि उन्हें अटक जेल से बाहर निकाला जाए क्योंकि वह ऐसी कोठरी में नहीं रहना चाहते जहां दिन में मक्खियां और रात में कीड़े-मकौड़े भरे रहते हैं।

खान को तोशाखाना मामले में भ्रष्टाचार को लेकर तीन साल कैद की सजा सुनाई गई है। वह नाखुश और चिंतित है क्योंकि वह जेल की कोठरी में बंद हैं।

क्रिकेटर से नेता बने 70 वर्षीय खान को इस्लामाबाद की निचली अदालत द्वारा मामले में भ्रष्ट आचरण का दोषी पाए जाने के तुरंत बाद शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया था।

खान ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर करके अपनी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील की है।

जियो न्यूज ने खान और उनके वकील के बीच मुलाकात की जानकारी रखने वाले अटक जेल के सूत्रों के हवाले से बताया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष ने अपनी कानूनी टीम से कहा है कि वह जेल में नहीं रहना चाहते।

अधिकारियों ने खान को उद्धृत करते हुए कहा, मुझे यहां से बाहर निकालो, मैं यहां नहीं रहना चाहता। खान के वकील नईम हैदर पंजोथा को सोमवार को जेल अधिकारियों ने उनसे मिलने की इजाजत दी। पंजोथा ने ‘पीटीआई’ अध्यक्ष से मिलने के बाद कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को सी-क्लास जेल सुविधाएं प्रदान की गई हैं और उन्हें परेशान करने वाली परिस्थितियों में रखा जा रहा है। पंजोथा ने कहा कि इतनी कठिनाइयों के बावजूद खान का मनोबल ऊंचा था और उन्होंने संकल्प व्यक्त किया कि वह पूरा जीवन जेल में बिता देंगे लेकिन गुलामी के आगे नहीं झुकेंगे।

बीएसएफ प्रमुख ने जम्मू के अखनूर सेक्टर में सीमा चौकियों का दौरा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिदेशक नितिन अग्रवाल ने बुधवार को जम्मू के अखनूर सेक्टर की विभिन्न सीमा चौकियों का दौरा किया तथा जवानों से सीमापार की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निपटने के लिए असरदार तरीके से डटे रहने का आह्वान किया।

अग्रवाल के साथ सीमा सुरक्षा बल के विशेष महानिदेशक (पश्चिमी कमान) पी वी रामाशास्त्री, महानिरीक्षक (जम्मू सीमा) डी के बूरा भी थे। बीएसएफ के एक प्रवक्ता ने बताया कि अग्रवाल ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा स्थिति और बल की तैनाती की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि अग्रवाल सोमवार को तीन दिवसीय दौरे पर जम्मू पहुंचे और मंगलवार को उन्होंने सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा का मुआयना किया। प्रवक्ता के अनुसार बीएसएफ प्रमुख को पाकिस्तान की ओर से चलाई जा रही ड्रोन एवं तस्करी गतिविधियों को विफल करने में जवानों की मुस्तैदी के बारे में बताया गया।

सीमा पर जाने से पहले बीएसएफ प्रमुख के सामने यहां जम्मू सीमा मुख्यालय में विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया गया और बूरा ने उन्हें सुरक्षा के सभी अहम पहलुओं, अंतरराष्ट्रीय सीमा एवं नियंत्रण रेखा पर तैनाती आदि के बारे में विस्तार से बताया।

अखनूर के दौरे के दौरान अग्रवाल को जमीनी स्तर पर सेक्टर और बटालियन कमांडरों ने सीमा पर सुरक्षा स्थिति एवं अन्य संबंधित पहलुओं के बारे में बताया।

प्रवक्ता के अनुसार, अग्रवाल ने सीमा चौकियों पर क्षेत्रीय इकाइयों की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने प्रतिकूल स्थितियों में भी सीमा की रखवाली करने के लिए जवानों के पेशेवर अंदाज की सराहना भी की।

नूंह हिंसा : पंचायत प्रमुखों ने मुस्लिम व्यापारियों पर 'प्रतिबंध' लगाने के लिए पत्र जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के कुछ हिस्सों में सांप्रदायिक तनाव के बीच राज्य के महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और झज्जर जिलों में कुछ पंचायत प्रमुखों द्वारा कथित तौर पर अपने गांवों में मुस्लिम व्यापारियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए लिखे गए पत्र ऑनलाइन सामने आए हैं।

हाल के दिनों में इन जिलों के कुछ सरपंचों द्वारा कथित तौर पर लिखे गए लगभग एक जैसे पत्रों में 31 जुलाई को नूंह जिले में हुई हिंसा का हवाला दिया गया है जिसमें भीड़ ने विश्व हिंदू परिषद की शोभायात्रा पर हमला किया था।

नूंह हिंसा में दो होम गार्ड समेत पांच लोगों की मौत हुई थी। हिंसा भड़कने के बाद निकटवर्ती गुरुग्राम में एक मस्जिद पर हुए हमले में एक इमाम की भी मौत हो गई थी।

अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने ऑनलाइन सामने आए पत्रों का संज्ञान लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

कुछ गांवों के संरपचों द्वारा कथित रूप से लिखे गए इन पत्रों में कहा गया है कि पंचायतों ने मुस्लिम समुदाय और शरारती तत्वों को कोई भी व्यवसाय करने की अनुमति न देने का फैसला किया है। पत्रों में विशेष तौर पर फेरीवालों, पशु व्यापारियों और भीख मांगने वालों का जिक्र किया गया है।

हालाँकि, जब संपर्क किया गया, तो महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी के कई सरपंचों ने किसी विशेष समुदाय को लेकर ऐसा कोई पत्र जारी करने की बात से इनकार किया।

महेंद्रगढ़ की उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि सरकारी अधिकारियों के समक्ष ऐसा कोई पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

गुप्ता ने फोन पर पीटीआई-भाषा से कहा, सोशल मीडिया शायद यह दावा कर रहा है कि इन्हें (गांव के सरपंचों द्वारा) संबंधित उपमंडल मजिस्ट्रेट को सौंपा गया है। जहां तक हमें पता है, आज तक ऐसा कोई मामला एसडीएम के पास नहीं आया है। इसलिए, किसी भी प्रशासनिक अधिकारी को किसी भी सरपंच द्वारा ऐसा कुछ भी नहीं सौंपा गया है। उन्होंने कहा, हालांकि, मीडिया में जो चल रहा है, हमने उसका स्वत: संज्ञान लिया है और मामले की जांच कर रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में फील्ड अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है।

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 13 अगस्त को निकाली जाएगी तिरंगा यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों और सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए 13 अगस्त को यहां तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां यात्रा की तैयारियों की समीक्षा के लिए नागरिक प्रशासन, पुलिस और सुरक्षा बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान सिन्हा ने कहा, हम सभी को अपने प्यारे तिरंगे को सलामी देने और इस अवसर का जश्न मनाने में विशेष गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह हमारे उन स्वतंत्रता सेनानियों के महान बलिदान को याद करने का भी मौका है, जिन्होंने हमें आजादी दिलाई थी।

भारत में 22 साल में ट्रेन हादसों में 90 प्रतिशत की कमी आई : अर्जुन मुंडा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने बुधवार को कहा कि 2000-01 में देश में ट्रेन हादसों की संख्या 473 थी जो 2022-23 में घटकर 48 हो गई है। मुंडा ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 2004 से 2014 के बीच ट्रेन हादसों का वार्षिक औसत 171 था जो बाद में (2014 से 2023 के बीच) काफी कम होकर 71 हो गया। उन्होंने कहा, पिछले 20 साल के रुझानों के विश्लेषण से पता चलता है कि ट्रेन हादसों की संख्या में भारी गिरावट आई है और यह वित्त वर्ष 2000-01 की 473 से घटकर वित्त वर्ष 2022-23 में केवल 48 रह गई है।

मुंडा ने कहा कि रेलवे ने ट्रेन परिचालन की सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए कई अहम उपाय लागू किए हैं। उन्होंने कहा कि इन कदमों में 2017-18 में राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष की शुरुआत भी शामिल है जो महत्वपूर्ण सुरक्षा संपत्तियों के नवीनीकरण, बदलाव आदि के लिए विशेष कोष है। मुंडा ने कहा कि पांच साल के लिए 1.08 लाख करोड़ रुपए के इस कोष से महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। रेलवे द्वारा किए गए उपायों में 11,093 स्थानों पर समपार फाटकों की इंटरलॉकिंग, इन फाटकों पर कड़ी सुरक्षा, 6,377 स्टेशनों पर ट्रैक सर्किटिंग आदि शामिल हैं। मुंडा ने कहा कि मानवीय त्रुटियों को न्यूनतम बनाने के लिए पटरियां बिछाने की प्रक्रिया को यंत्रीकृत किया गया है और रेल नवीकरण में तेजी लाने तथा वेल्डिंग को कम करने के लिए लंबे रेल पैनल का उपयोग किया जा रहा है।

भूस्खलन से जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित, अमरनाथ तीर्थयात्रियों का जत्था रोका गया

बनिहाल/जम्मू/भाषा। रामबन जिले में मंगलवार देर रात भीषण भूस्खलन के कारण जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बाधित हो गया जिसकी वजह से जम्मू से अमरनाथ तीर्थयात्रियों के किसी नए जत्थे को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यातायात नियंत्रण कक्ष के अनुसार, भूस्खलन देर रात करीब तीन बजे मारूग के पास हुआ जिससे 270 किलोमीटर लंबा राजमार्ग बाधित हो गया। यह राजमार्ग कश्मीर को देश के शेष हिस्से से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है। विभाग के एक अधिकारी ने कहा, मरम्मत का काम जारी है और इसके दोपहर दो बजे तक पूरा होने की संभावना है। रोके गए वाहनों को मरम्मत एवं बहाली कार्य पूरा हो जाने के बाद दोनों ओर से- जम्मू में नगरोटा और कश्मीर में काजीगुंड से जाने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि राजमार्ग बंद होने के कारण अमरनाथ यात्रियों के किसी नए जत्थे को जम्मू से जाने की अनुमति नहीं दी गई।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड ने बाजार में उतारा नया 'स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम लिमिटेड) ने बुधवार को घरेलू बाजार में स्वराज ब्रांड के तहत एक नया व्हील हार्वेस्टर पेश किया। स्वराज प्रभाग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हरीश चव्हाण ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि इसके साथ ब्रांड का मकसद लंबी अवधि में व्हील हार्वेस्टर खंड में 15-20 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है। उन्होंने कहा कि नई कृषि आधारित मशीन का निर्माण मध्य प्रदेश में इंदौर के पास पीथमपुर में किया गया है। नया 'स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर' पूरे भारत में डीलरशिप के माध्यम से ग्राहकों के लिए आगामी फसल कटाई के मौसम में उपलब्ध होगा।

कंपनी के अनुसार, स्वराज 8200 व्हील हार्वेस्टर' में टीआरईएम-चार इंजन लगा है।

सीबीआई ने बैंक धोखाधड़ी के आरोपी को अमेरिका से कोच्चि पहुंचने पर गिरफ्तार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल के 'रेड नोटिस' का सामना कर रहे बैंक धोखाधड़ी के एक आरोपी की अमेरिका से वापसी कराकर केरल में कोच्चि पहुंचने पर उसे गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

बेंगलूरु में सीबीआई के एक मामले में टी. रवींद्रनाथ गुप्ता पर जाली अंतर्देशीय साख पत्र, धोखाधड़ी और जालसाजी द्वारा एक बैंक को धोखा देने का आरोप है। 'रेड नोटिस' एक वांछित भगोड़े को हिरासत में लेने के लिए इंटरपोल द्वारा दुनियाभर की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को जारी किया गया एक अंतरराष्ट्रीय नोटिस है। गुप्ता संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रास्ते अमेरिका से कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचा और इसके बाद सीबीआई ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सीबीआई के प्रवक्ता ने बताया कि गुप्ता को दिन में बेंगलूरु में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा।

ईडी ने हरियाणा के विधायक गोपाल कांडा से जुड़े परिसरों पर छापा मारा

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक धनशोधन मामले की जांच के तहत हरियाणा के विधायक गोपाल कांडा और अन्य के परिसरों पर छापे मारे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि केंद्रीय एजेंसी के अधिकारी गुरुग्राम के सिविल लाइंस इलाके में कांडा की अब बंद हो चुकी विमानन कंपनी एमडीएलआर के कार्यालय और उनके आवास पर सुबह छह बजे पहुंचे।

सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है और दिल्ली एवं सिरसा में भी कुछ परिसरों पर छापे मारे जा रहे हैं। अभी यह पता नहीं है कि कांडा के खिलाफ किस मामले में जांच की जा रही है। हरियाणा लोकहित पार्टी के नेता कांडा (57) सिरसा से विधायक हैं। इस पार्टी की स्थापना कांडा ने ही की थी। वह पूर्व में राज्य के गृह, उद्योग एवं नगर निकाय मंत्री के तौर पर भी सेवाएं दे चुके हैं। दिल्ली की एक अदालत ने एमडीएलआर की एयर होस्टेस गीतिका शर्मा को आत्महत्या के लिए उकसाने के हाई प्रोफाइल मामले में नेता को हाल में ही बरी किया था। ऐसा समझा जाता है कि कांडा ने इस जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों से पहले मुलाकात की थी।

चोरी और खोए हुए मोबाइल फोन बरामद करने में तेलंगाना पहले स्थान पर

हैदराबाद/भाषा। 'केंद्रीय उपकरण पहचान रजिस्टर' (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन को बरामद करने के मामले में तेलंगाना ने देश में पहला स्थान हासिल किया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के मुताबिक, इस पोर्टल की मदद से तेलंगाना में 5,038 मोबाइल फोन बरामद किए गए यानी फोन मिलने की दर 67.98 फीसदी रही। वहीं, 54.20 फीसदी दर के साथ कर्नाटक दूसरे तथा 50.90 फीसदी दर के साथ आंध्र प्रदेश तीसरे स्थान पर है।

दूरसंचार विभाग (डीओटी) द्वारा विकसित सीईआईआर पोर्टल को मोबाइल के चोरी होने व उसके दुरुपयोग के खतरे को रोकने के लिए इस साल 17 मई को देश भर में आधिकारिक तौर पर शुरू किया गया था। विभाग ने इस साल 19 अप्रैल को तेलंगाना में तथा पिछले साल सितंबर महीने में कर्नाटक में इस पोर्टल को प्रायोगिक आधार पर शुरू किया था। सीईआईआर पोर्टल तेलंगाना के सभी 780 पुलिस थानों में संचालित है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) महेश एम भागवत को राज्य में इस पोर्टल के नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। जारी विज्ञप्ति के अनुसार, 110 दिन की अवधि में 5,038 खोए/चोरी हुए मोबाइल बरामद किए गए, जिनमें से अंतिम 1,000 मोबाइल को 16 दिन में बरामद किया गया।

मध्य प्रदेश ने पेश की 5जी नीति, सरकारी मंजूरियां तेजी से देने का लक्ष्य

इंदौर (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश में तेजी से 5जी नेटवर्क के विस्तार के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार ने अपनी नीति पेश कर दी है। इस नीति में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और बुनियादी ढांचा बनाने वाली कंपनियों को 5जी सेवाओं के विस्तार के लिए जल्द से जल्द सरकारी मंजूरियां देने पर खास जोर दिया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राज्य के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा ने इंदौर में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम चाहते हैं कि प्रदेश में 5जी का नेटवर्क तेजी से फैले। इसके लिए हमने 5जी नीति पेश की है। इस नीति से 5जी सेवाओं का बुनियादी ढांचा विकसित करने में संबंधित कंपनियों को मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 5जी नीति में प्रावधान किया गया है कि दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, इंटरनेट सेवा प्रदाताओं और बुनियादी ढांचा विकसित करने वाली कंपनियों को अगर तय समयसीमा में सरकारी मंजूरी नहीं मिली, तो मान लिया जाएगा कि उन्हें यह हरी झंडी मिल गई है। सखलेचा ने कहा, मुझे लगता है कि पूरे प्रदेश में डेढ़ से दो साल के भीतर 5जी नेटवर्क उपलब्ध हो जाएगा। मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (एमपीएसईडीसी) के प्रबंध निदेशक अभिजीत अग्रवाल ने बताया कि सूबे की 5जी नीति केंद्र सरकार के दिशानिर्देशों और उद्योग जगत के सुझावों के आधार पर तैयार की गई है। अग्रवाल ने कहा कि इस नीति से अगले छह माह में खासकर शहरी क्षेत्रों में 5जी नेटवर्क का तेज विस्तार होगा।

आदिवासियों को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए प्रतिबद्ध सरकार : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पालघर (महाराष्ट्र)/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार 250 आश्रम स्कूलों का पुनरुद्धार करेगी, जिसमें आधुनिक सुविधाएं होंगी। उन्होंने आदिवासी समुदाय के लोगों को स्वतंत्रता सेनानी और पर्यावरण का संरक्षक बताते हुए उनकी प्रशंसा की।

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में पालघर जिला के जवाहर में एक कार्यक्रम को वीडियो लिंक के माध्यम से संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा कि उनकी सरकार आदिवासी समुदाय के लोगों और कामकाजी वर्ग के लोगों को विकास की मुख्यधारा में लाने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार ने भी वीडियो लिंक के माध्यम से वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आदिवासी समुदाय के लोगों का इस मिट्टी और पर्यावरण के साथ करीबी नाता होता हैं। वे देश में बरसों से जंगल समेत समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदाय के लोगों ने आजादी के आंदोलन में भी उल्लेखनीय योगदान किया है। उन्होंने कहा कि यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम आदिवासी लोगों को विकास की मुख्यधारा में शामिल करें। मुख्यमंत्री ने कहा, इसे ध्यान में रखते हुए सरकार उन्हें शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य की सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। सरकार ने राज्य में 250 आश्रम शालाओं के पुनरुद्धार का फैसला किया है और उन्हें आदर्श आश्रम स्कूल में बदलेगी। आदिवासी समुदाय के छात्रों को नामी स्कूलों में शिक्षा मिल सके और वे इंजीनियरिंग एवं चिकित्सा पाठ्यक्रम तथा आईआईटी के लिए प्रवेश परीक्षाओं को पास करने में सक्षम बन सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार एक योजना लागू करेगी।

सब्सिडी बंद होने से सात इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनियों को 9000 करोड़ से अधिक का नुकसान

नई दिल्ली/भाषा। सब्सिडी बंद किए जाने के बाद बकाया भुगतान न होने और बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के कारण सात इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनियों को कुल मिलाकर 9,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। सोसायटी ऑफ मैन्युफैक्चरर्स ऑफ इलेक्ट्रिक वेहिकल्स (एसएमईवी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। सरकार ने इन कंपनियों को उन्हें दी गई सब्सिडी वापस करने का निर्देश दिया है। एसएमईवी के अनुसार, उसके चार्टर्ड अकाउंटेंट के ऑडिट से संकेत मिलता है कि प्रभावित कंपनियों को 9,000 करोड़ रुपए से अधिक का सांई नुकसान होने का अनुमान है। एसएमईवी के 'चीफ एवान्जलिस्ट' संजय कौल ने कहा कि हो सकता है इनमें से कई कंपनियां कभी इससे उबर न पाएं। केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडे को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि ओईएम रोज बढ़ते घाटे के कारण बर्बाद होने की स्थिति में पहुंच रहे हैं। कौल ने कहा कि पत्र में प्रस्ताव दिया गया कि यदि मंत्रालय का इरादा इन ओईएम को सजा देना था, लेकिन अब यह उन्हें व्यावहारिक रूप से खत्म कर रही है।

केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने संबंधी प्रस्ताव विधानसभा में सर्वसम्मति से पारित

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल विधानसभा ने राज्य का नाम आधिकारिक रूप से बदलकर 'केरलम' करने का केंद्र से आग्रह करने संबंधी प्रस्ताव बुधवार को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने पेश किया, जिसमें उन्होंने केंद्र सरकार से भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में राज्य का नाम बदलकर 'केरलम' करने का आग्रह किया। इस प्रस्ताव को कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी यूडीएफ (संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा) ने किसी संशोधन या बदलाव का सुझाव दिए बगैर स्वीकार कर लिया।

इसके बाद, अध्यक्ष ए एन शमसीर ने हाथ उठाकर दिए गए समर्थन के आधार पर इसे विधानसभा द्वारा सर्वसम्मति से पारित प्रस्ताव घोषित किया।

मुख्यमंत्री ने प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि राज्य को मलयालम में 'केरलम' कहा जाता है, लेकिन अन्य भाषाओं में यह अब भी केरल ही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम के समय से ही मलयालम भाषी समुदायों के लिए एकजुट केरल बनाने की आवश्यकता मजबूती से उभरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा, लेकिन संविधान की पहली अनुसूची में हमारे राज्य का नाम केरल लिखा हुआ है।

हर रोज शुगर ड्रिंक पीने से महिलाओं में लीवर कैंसर होने का खतरा अधिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी वैज्ञानिकों का कहना है कि जो महिलाएं रोजाना मीठे पेय पदार्थ (शुगर ड्रिंक) पी रही हैं उनमें लीवर का कैंसर होने तथा लंबे समय तक लीवर की बीमारी के कारण मृत्यु दर बढ़ने का खतरा ज्यादा है।

अमेरिका के बर्मिंघम एंड वुमेंस हॉस्पिटल के अनुसंधानकर्ताओं की अगुवाई में हुए अध्ययन में 98,786 महिलाओं को शामिल किया गया जो रजोनिवृत्त हो चुकी हैं। इन महिलाओं पर 20 साल तक अध्ययन किया गया।

इस समूह में रोज एक या उससे अधिक शुगर ड्रिंक पीने वाली 6.8 प्रतिशत महिलाओं में लीवर के कैंसर का 85 प्रतिशत अधिक जोखिम और लंबे समय तक लीवर की बीमारी (क्रॉनिक लीवर डिजीज) के कारण मौत होने का खतरा 68 प्रतिशत पाया गया।

'जर्नल ऑफ अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन नेटवर्क ओपन' में प्रकाशित अध्ययन के पहले लेखक लॉन्गांग झाओ ने कहा, हमारी जानकारी के मुताबिक मीठे पेय पदार्थ पीने और लंबे समय तक लीवर की बीमारी के कारण मौत होने के बीच संबंध का पता लगाने वाला यह पहला अध्ययन है।

झाओ ने कहा, अगर हमारे निष्कर्षों की पुष्टि हो जाती है तो इससे बड़े और भौगोलिक रूप से विविध समूह के आंकड़ों के आधार पर लीवर की बीमारी के खतरे को कम करने के लिए जन स्वास्थ्य रणनीति बनाने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है।

'देश के 78% ग्रामीण अभिभावक चाहते हैं कि उनकी बेटी स्नातक उत्तीर्ण हों'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के 78 प्रतिशत ग्रामीण माता-पिता चाहते हैं कि उनकी बेटी स्नातक या उससे आगे की पढ़ाई करे। एक सर्वेक्षण में यह दावा किया है। देश के 20 राज्यों के 6,229 परिवारों पर किए गए सर्वेक्षण के आधार पर 'ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति-2023'नामक रिपोर्ट को केंद्रीय शिक्षामंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने यहां मंगलवार शाम को जारी किया। रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों के लैंगिक वर्गीकरण का विश्लेषण करने पर संकेत मिला कि अभिभावकों का अपने बच्चों को तकनीकी डिग्री, स्नातक और परास्नातक डिग्री सहित उच्च शिक्षा दिलाने को लेकर समान झुकाव है, फिर चाहे उनकी संतान लड़की हो या लड़का। 82 प्रतिशत अभिभावकों ने कहा कि वे लड़के को स्नातक या उससे आगे की पढ़ाई कराना चाहते हैं जबकि लड़कियों के बारे में यह राय रखने वाले 78 प्रतिशत रहे।

सर्वेक्षण में खुलासा हुआ कि बीच में ही पढ़ाई छोड़ देने वाले बच्चों में एक चौथाई लड़के हैं जो प्राथमिक कक्षाओं में ही अपनी

पढ़ाई छोड़ देते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, तुलनात्मक रूप से पढ़ाई छोड़ने वाले बच्चों में लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या अधिक है और यह 35 प्रतिशत है। प्राथमिक शिक्षा पूरी कर पढ़ाई छोड़ने वाले लड़कों और लड़कियों की दर अधिक (लड़कों में यह 75 प्रतिशत और लड़कियों में यह 65 प्रतिशत है) है।

सर्वेक्षण के मुताबिक, गांव या आसपास उच्च कक्षा के स्कूलों का नहीं होना बच्चों के पढ़ाई छोड़ने की उच्च दर का एक कारण हो सकता है क्योंकि संभव है वे प्राथमिक कक्षा की पढ़ाई पूरी कर आगे पढ़ने के लिए दूर नहीं जा सकते हों। इस अध्ययन को छह से 16 साल के ग्रामीण बच्चों पर केंद्रित किया गया। अध्ययन इनिशिएटिव ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन (टीआरआईएफ) की विकास आसूचना इकाई (डीआईयू) और संबोधी प्राइवेट ने भारत के ग्रामीण विकास के हितधारकों को सही विश्लेषण और स्थिति से अवगत कराने के दृष्टिकोट के साथ आंकड़े एकत्र करने के लिए किया। सर्वेक्षण के मुताबिक 62.5 बच्चों की मां पढ़ाई के मामले में उनका मार्गदर्शन करती हैं जबकि 49 प्रतिशत बच्चों के पिता यह जिम्मेदारी निभाते हैं।

स्मरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के थिरुचुलियिल नगर जो श्रीरमण महर्षि की कर्म भूमि रही में बुधवार को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई ने उनके निवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कुछ समय वहां बिताया। संत रमनमहर्षि ने यहां से ही छोटी उम्र में संन्यास लेकर अपना आध्यात्मिक जीवन शुरु किया।

गांव की लड़की इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए ताइवान जाएगी, तमिलनाडु सरकार खर्चा वहन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने बुधवार को कहा कि वह सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले 200 से अधिक छात्रों के शैक्षिक खर्चों को वहन करेगी, जो संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) जैसी परीक्षा उत्तीर्ण कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने के लिये तैयार हैं। शहर में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एमके. स्टालिन ने उत्तीर्ण छात्रों को लैपटॉप और प्रमाण पत्र प्रदान किये। कृष्णागिरी और धर्मपुरी के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाली एक छात्रा जयश्री ने कहा कि उसे

ताइवान के कुन शान विश्वविद्यालय में एक इंजीनियरिंग कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला है।

छात्रा ने कहा कि उन्होंने गरीब पृष्ठभूमि वाले छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिये 'नान मुदलवन' ('मैं पहली हूं,' एक व्यापक योजना जिसमें कोचिंग, कौशल विकास और रोजगार सुविधा भी शामिल है) जैसी योजनाओं को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। जयश्री ने 'नान मुदलवन' योजना के तहत ही प्रशिक्षण लिया है।

राज्य सरकार ने 2022-23 के बजट में घोषणा की थी कि वह आईआईटी, भारतीय विज्ञान संस्थान और एम्स सहित प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों में स्नातक शिक्षा हासिल करने के लिए सरकारी स्कूल के छात्रों के शैक्षिक खर्च को वहन करेगी। अर्हता प्राप्त करने के लिए, छात्रों को छठी कक्षा से बारहवीं कक्षा तक सरकारी स्कूलों में अध्ययन करना अनिवार्य है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य सरकार, सरकारी स्कूलों के लगभग उन 225 छात्रों का पूरा शैक्षिक खर्च वहन करेगी जिन्होंने जेईई, सीयूईटी और नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट इन आर्किटेक्चर जैसी प्रवेश परीक्षाएं पास की हैं।

आप चोल परंपरा के बारे में बात करते हैं, लेकिन तमिलनाडु का इतिहास नहीं जानते : कनिमोझी

चेन्नई/नई दिल्ली। डीएमके सांसद कनिमोझी ने नए संसद भवन में 'सेन्गोल' लाने पर सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि आप चोल परंपरा के बारे में बात करते हैं लेकिन तमिलनाडु के इतिहास के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। उन्होंने कहा कि राजा द्वारा अपने लोगों को विफल करने के बाद पांडियन सेनगोल जल गया और बिखर गया। मणिपुर के हालात पर अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में लोकसभा में कनिमोझी ने कहा कि आप सेनगोल को बहुत धूमधाम से संसद में लाए। आपने चोल परंपरा के बारे में बात की। आप तमिलनाडु के इतिहास के बारे में नहीं जानते। क्या आपने पांडियन सेनगोल के बारे में सुना है? जब राजा ने आम लोगों को विफल कर दिया तो यह टूट गया और जल गया। क्या आप कन्नगी की कहानी जानते हैं? कृपया हम पर हिंदी थोपना बंद करें और सिलप्पातिकारम पढ़ें। इसमें आपको सिखाने के लिए बहुत सारे सबक हैं।

तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई और स्टालिन के बीच जुबानी जंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। संसद में दिल्ली सर्विस बिल पारित होने के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इसे लोकतंत्र का काला दिन बताया था।

इसके एक दिन बाद तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कहा कि लोकतंत्र के असली काले दिन कांग्रेस शासन के दौरान थे जब संविधान के अनुच्छेद 356 का उपयोग करके राज्य सरकारों को 90 बार बर्खास्त किया गया था।भाजपा नेता ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अकेले 50 बार निर्वाचित राज्य सरकार को बर्खास्त किया था और कहा कि वह लोकतंत्र के काले दिन थे। केंद्रीय

गृह मंत्री अमित शाह ने संसद में स्पष्ट रूप से बताया था कि दिल्ली सेवा विधेयक (दिल्ली सर्विस बिल) क्या है और यह लोकतंत्र के खिलाफ नहीं है, जैसा कि कांग्रेस ने सत्ता में अपने सुनहरे दिनों के दौरान किया था। अन्नामलाई ने यह भी आरोप लगाया कि 1975 में इंदिरा गांधी ने आपातकाल की घोषणा की और देश को गहरे गड्ढे में धकेल दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि यह स्टालिन के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री करुणानिधि ही थे, जिन्होंने आपातकाल के बाद इंदिरा गांधी के लिए लाल कालीन बिछाकर उन्हें तमिलनाडु में आमंत्रित किया था और कहा था कि नेहरू की बेटी आएं और स्थिर सरकार लाएं। किसी को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को बताना चाहिए कि वह दिल्ली के राज्य अधिकारों के साथ भ्रमित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सीमित शक्तियों वाला एक केंद्र शासित प्रदेश है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि द्रमुक कांग्रेस पार्टी की 'वफादार गुलाम' थी और उसने कई वर्षों से राज्य के लोगों के अधिकारों को बंधक बना रखा था। कांग्रेस पार्टी का 'वफादार गुलाम' होने के नाते द्रमुक केंद्र सरकार के कल्याणकारी बिलों का समर्थन नहीं कर सकती है।

लगातार तीसरे दिन सेंथिल बालाजी से ईडी की पूछताछ जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तमिलनाडु के गिरफ्तार मंत्री सेंथिल बालाजी से बुधवार को लगातार तीसरे दिन पूछताछ कर रही है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंत्री की अपील खारिज करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय को पांच दिनों के लिए उनकी हिरासत लेने की अनुमति दी गई थी। पुझल केंद्रीय जेल में बंद बिना विभाग के मंत्री सोमवार रात से ईडी की हिरासत में हैं।

तमिलनाडु सरकार के सूत्रों ने बताया कि सेंथिल बालाजी से तीसरे दिन भी पूछताछ की जा रही है। ईडी ने मंत्री को 200 सवालों की एक सूची सौंपी है। सूत्रों के मुताबिक, मंत्री से उनके द्वारा किए गए रियल एस्टेट सौदों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। ईडी के अधिकारियों ने मंत्री के कुछ करीबी सहयोगियों के आवासों और व्यावसायिक इकाइयों पर तलाशी ली थी और रियल एस्टेट लेनदेन के संबंध में कुछ दस्तावेजों का पता लगाया था। ईडी के पास मंत्री के सहयोगियों द्वारा किए गए विभिन्न भूमि सौदों से संबंधित लगभग 60 दस्तावेज हैं। बुधवार को पूछताछ का उद्देश्य मुख्य रूप से मंत्री

से अधिक जानकारी प्राप्त करना है कि क्या उनका इन भूमि लेनदेन से कोई संबंध था और क्या इसके लिए उनके सहयोगियों को पैसा दिया गया था। मंत्री को मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में 14 जून को ईडी ने हिरासत में लिया था।

सेंथिल बालाजी पर अन्नाद्रमुक सरकार में मंत्री रहते हुए राज्य परिवहन विभाग में नियुक्ति से जुड़े नौकरी के बदले नकदी घोटाले में पैसे लेने का आरोप है। बाद में वह द्रमुक में शामिल हो गए। वह वर्तमान में तमिलनाडु के पश्चिमी क्षेत्र कोयंबटूर, इरोड और सेलम में द्रमुक की शक्तिशाली ताकत हैं। उन्होंने उस क्षेत्र में द्रमुक को एक मजबूत करने के लिए काम किया है जहां पहले अन्नाद्रमुक का दबदबा था।

247 तमिलनाडु सरकारी स्कूल के छात्रों को प्रीमियम भारतीय संस्थानों में प्रवेश मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इस वर्ष तमिलनाडु के सरकारी स्कूल के 247 छात्रों को योग्य बनाया गया है और देश के प्रमुख उच्चतर माध्यमिक संस्थानों में प्रवेश दिया गया है। शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में यह संख्या केवल 75 छात्रों से बढ़कर 2022-23 में 247 छात्रों तक पहुंच गई। छात्रों की सुविधा के लिए, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को अन्ना सेंटेनरी लाइब्रेरी, कोट्टूरपुरम में छात्रों को प्रमाण पत्र और लैपटॉप प्रदान किए। 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के लिए, जेईई एडवांस परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छह छात्रों को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में, 77 छात्रों को राष्ट्रीय संस्थान (एनआईटी), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी), राष्ट्रीय खाद्य संस्थान में प्रवेश दिया गया है। हालाँकि, प्रमुख मेडिकल कॉलेजों में दाखिला लेने वाले छात्रों की संख्या 49 से घटकर 8 हो गई, जहाँ छात्र नीट (एमबीबीएस और बीडीएस) पास करने के बाद संस्थानों में योग्यता प्राप्त करते है।

स्टालिन ने 3987 तीर्थयात्रियों को हज सब्सिडी वितरित की

चेन्नई। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को राज्य में तमिलनाडु हज समिति के माध्यम से पहली हज यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को सब्सिडी वितरित की। स्टालिन ने इस वर्ष योजना के तहत सब्सिडी के वितरण को चिह्नित करने के लिए राज्य सचिवालय में प्रत्येक पांच हज यात्रियों को 25,070 रुपये का चेक वितरित किया। यह योजना तमिलनाडु हज समिति के माध्यम से पवित्र शहर में अपनी पहली तीर्थयात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों को सब्सिडी वितरित करने के लिए डिज़ाइन की गई है। राज्य सरकार ने इस वर्ष योजना के तहत 3,987 लाभार्थियों में से प्रत्येक को 25,070 रुपये वितरित करने के लिए 10 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के हस्तक्षेप के बाद हज यात्री यहां से अपने पवित्र कर्तव्य के लिए रवाना हो रहे थे और चेन्नई को तीर्थयात्रा के लिए तटबंध बिंदुओं में से एक के रूप में घोषित किया गया था। टीएनएसडीसी वजीफा के लिए यूपीएससी उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। तमिलनाडु कौशल विकास निगम (टीएनएसडीसी) ने राज्य सरकार से 25,000 रुपये प्रत्येक वजीफा प्राप्त करने के लिए यूपीएससी उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिन्होंने अपनी प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण की है और मुख्य परीक्षा देने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। 7 अगस्त को यहां नान मुधलवन योजना की पहली वर्षगांठ की अध्यक्षता करते हुए स्टालिन कहा कि वर्ष 2023 की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले 10 यूपीएससी उम्मीदवारों में से प्रत्येक को 25,000 रुपये का चेक वितरित किया गया।

कंपनी की बस पलटने से 20 कर्मचारी घायल, ड्राइवर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तिरुवन्नमलाई जिले के चेय्यर में बुधवार को एक कंपनी की बस के पलट जाने से 20 लोग घायल हो गए। कर्मचारी बस से काम खत्म कर घर लौट रहे थे।

रात की शिफ्ट पूरी करने के बाद, 40 कर्मचारी बस में चढ़े जो कांचीपुरम के वलजाबाद शहर में कंपनी परिसर से उन्हें घर छोड़ने जा रही थी।

यह घटना तब हुई जब बस चालक सड़क पर एक मोड़ से गुजरने की कोशिश करते समय वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बस एक सूखे खेत में जा गिरी। किसानों समेत स्थानीय लोगों ने पलटी बस से यात्रियों को बचाया।

पुलिस ने बताया कि ड्राइवर की पहचान एन. थिरुमल (28) के रूप में हुई है, जो नशे में पाया गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। घायलों को कांचीपुरम के सरकारी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

भारत की विविध संस्कृतियों को स्वीकार करे दुनिया : एआर रहमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रख्यात संगीतकार ए.आर. रहमान का कहना है कि जैसे इंद्रधनुष में कई रंग होते हैं, वैसे ही भारत में विभिन्न संस्कृतियां, भाषाएं और फिल्म उद्योग हैं और अब समय आ गया है कि दुनिया इसे स्वीकार करे। हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के अलावा हॉलीवुड तथा कई विदेशी फिल्म उद्योगों में अपने शानदार संगीत के जरिए दुनिया भर में अपनी विशेष पहचान बनाने वाले रहमान ने 1992 में मणिरत्नम की फिल्म 'रोजा' से अपने करियर की शुरुआत की थी।

फिल्म उद्योग में अपने करियर के तीन दशक पूरे कर चुके रहमान दुनिया के विभिन्न देशों में कई संगीत समारोह में अपनी प्रस्तुति दे कर इस उपलब्धि का जश्न मनाएंगे। दो बार प्रतिष्ठित ऑस्कर पुरस्कार विजेता रहमान ने कहा कि तेलुगू फिल्म 'आरआरआर' के गाने 'नाटु-नाटु' के अकादमी पुरस्कार जीतने से दुनिया ने भारत की बहुमुखी प्रतिभा की एक झलक देखी है। रहमान ने पीटीआई-भाषा' को दिए विशेष साक्षात्कार में कहा, 'दुनिया मानती है कि भारत में एकमात्र फिल्म उद्योग हिंदी फिल्म उद्योग है, जिसे हम बॉलीवुड कहते हैं। तेलुगू गाने 'नाटु-नाटु' को ऑस्कर जीतते हुए देखना बहुत खुशी का क्षण था। मैं कभी बॉलीवुड शब्द का इस्तेमाल नहीं करता क्योंकि यह बहुत सुविधाजनक है और हॉलीवुड से लिया गया है। जब कोई इन शब्दों का प्रयोग करता है तो मैं उसे सही जानकारी देता हूं।' उन्होंने 2009 में स्लमडॉग मिलिनेयर के जय हो के लिए दो ऑस्कर जीते - एक सर्वश्रेष्ठ मूल संगीत के लिए और दूसरा सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए।

रहमान ने स्लमडॉग मिलिनेयर के लिए ग्रैमी के साथ-साथ गोल्डन ग्लोब भी जीता। रहमान (56) ने कहा, देश में तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, पंजाबी, गुजराती और बंगाली समेत कई फिल्म उद्योग हैं। यह महत्वपूर्ण है कि दुनिया को यह देखना होगा कि हमारे देश में अद्भुत प्रतिभाएं हैं।

राज्यपाल ने स्वतंत्रता सेनानियों के घर जाकर उन्हें सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ और स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने बुधवार को पांच स्वतंत्रता सेनानियों के घर स्वयं गए और उन्हें मिठाई खिलाकर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। इस खास पलों के गवाह बने जिला कलेक्टर दयानंद।

बुधवार की सुबह, राज्यपाल बसवनगुड़ी में श्रीसाईं वृद्धाश्रम में रहने वाली श्रीमती शकुंतला से मिले, उनका सम्मान किया, उन्हें प्रमाण पत्र दिया और मिठाई खिलाई।

बाद में, वह येलचेनहल्ली के नंजप्पा लेआउट में स्वतंत्रता सेनानी एसवीटी गुप्ता के घर गए, उनका सम्मान किया। इसके बाद बनशंकरी तीसरे चरण के स्वतंत्रता सेनानी शंकरनारायण राव के घर गए और उनका सम्मान किया और उन्हें मिठाइयाँ खिलाईं। राज्यपाल ने उनकी कला के बारे में पूछते हुए कहा कि जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा लिया और हमें आजादी दिलाई, उन्हें श्रद्धांजलि देना हमारा पहला कर्तव्य है। राज्यपाल मल्लेश्वरम में नागभूषण राव के घर गए, नागभूषण राव को सम्मानित किया और शिल्प के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने सिर झुकाते हुए कहा, 'देश के प्रति उनकी सेवा हम सभी के लिए प्रेरणा है। आपको और आपके परिवार को सम्मान देना हमारा पहला कर्तव्य है।' विनायक लुकआउट, भूपसंद्रा में स्वतंत्रता सेनानी केसी नारायणप्पा से मुलाकात की और उनका अभिनंदन किया। इस समय जिलाधिकारी दयानंद आदि अधिकारी मौजूद थे।

जापान ने दर्ज की एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी की पहली जीत

चेन्नई। जापान ने एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 2023 में बुधवार को अपने आखिरी लीग चरण मुकाबले में चीन को 2-1 से हराकर टूर्नामेंट की पहली जीत दर्ज की। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर शोता यमाडा (आठवां मिनट) और केंतारो फुकुडा (54वां मिनट) ने जापान के गोल किये। चीन का एकमात्र गोल सुओझू आओ ने 57वें मिनट में किया जबकि टीम ने पांच मैचों में एक ड्रॉ और चार हार के साथ अपना सफर समाप्त किया। जापान पांच मैचों में पांच अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसका सेमीफाइनल में पहुंचना दिन के आगामी मुकाबलों पर निर्भर करेगा। अगर कोरिया दिन के दूसरे मुकाबले में दो या उससे अधिक गोलों के अंतर से हारती है, या पाकिस्तान दिन के आखिरी मुकाबले में एक गोल के अंतर से हारती है तो जापान शीर्ष चार में पहुंच जायेगी।

पत्र विवाद : मंत्री ने राज्यपाल से फर्जी आरोप और अर्जियों के झांसे में नहीं आने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के कृषि मंत्री एन चेलुवरायस्वामी ने बुधवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से अपील की कि वह गैर जिम्मेदाराना तरीके के लगाए आरोपों और 'फर्जी अर्जियों' के झांसे में नहीं आएं। चेलुवरायस्वामी की अपील मंड्या जिले के सात सहायक कृषि निदेशकों (एडीए) द्वारा हाल में राज्यपाल गहलोत को लिखे कथित पत्र के बाद आई है। पत्र में सहायक निदेशकों ने आरोप लगाया था कि मंत्री संयुक्त निदेशक के माध्यम से छह से आठ लाख रुपये बतौर रिश्वत देने के लिए दबाव बना रहे हैं।

पत्र के सहायक निदेशकों ने धमकी दी थी कि अगर 'रिश्वत मांगने की ऐसी परंपरा को रोका नहीं जाता' तो वे परिवार सहित आत्महत्या कर लेंगे। राज्यपाल कार्यालय ने उक्त पत्र मुख्य सचिव वंदिता शर्मा को जांच के लिए सौंप दिया था। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने पत्र को फर्जी बताया

कृषि मंत्री एन चेलुवरायस्वामी ने बुधवार को राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

था और मामले की जांच सीआईडी से कराने का आदेश दिया था।

राज्यपाल को लिखे पत्र में चेलुवरायस्वामी ने कहा, 'मेरी आपसे विनम्र प्रार्थना है कि आप ऐसे गैर जिम्मेदाराना फर्जी आरोपों और फर्जी अर्जियों के झांसे में नहीं आएं।' मंत्री ने राज्यपाल से यह भी अपील की कि अगर ऐसी घटना भविष्य में दोबारा होती है तो वह प्राथमिक जांच का आदेश दें। उन्होंने कहा कि अगर प्राथमिक जांच में पत्र प्रामाणिक पाया जाता है तो जांच का आदेश दिया जाना चाहिए। चेलुवरायस्वामी ने कहा, 'अगर यह सही पाया जाता है और सबूत भी इसकी पुष्टि करते हैं तब यह जांच के लिए उपयुक्त हो सकता है अन्यथा संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग असमाजिक तत्व और निहित हित वाले लोग आसानी से सरकार, विभाग और मुझे बदनाम करने के लिए करेंगे।' मंत्री ने दावा किया कि पत्र पूरी तरह से 'फर्जी' है। उन्होंने कहा कि पत्र के बारे में जानकर वह स्तब्ध हैं।

बोम्मई ने भाजपा के शीर्ष नेताओं से मुलाकात की, शीघ्र ही प्रतिपक्ष नेता की घोषणा संभव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। बैठक के बाद बोम्मई ने कहा कि उन्होंने अमित शाह से राज्य की राजनीति के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। यह बैठक महत्वपूर्ण है क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येडीयुरप्पा कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) पद के लिए बोम्मई की उम्मीदवारी पर जोर दे रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि अमित शाह इस मुद्दे पर चर्चा करने और नेता प्रतिपक्ष के चुनाव पर अंतिम फैसला लेने के लिए बोम्मई से मुलाकात कर रहे हैं।

नियुक्ति लंबे समय से लंबित है और सत्तारूढ़ कांग्रेस नेता इस मुद्दे पर भाजपा पर निशाना साध रहे हैं। बसवराज बोम्मई ने हाल ही में कहा था कि भाजपा के सभी 66 विधायक विपक्ष के नेता हैं और सत्तारूढ़ सरकार को सावधानी से

चलना चाहिए। हालांकि, उनके इस बयान का राजनीतिक हलकों में और भी मज़ाक उड़ाया गया था।

सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव की करारी हार के बाद आलाकमान कर्नाटक नेतृत्व से पूरी तरह नाराज है। भाजपा के भीतर मचे घमासान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की राज्य की राजनीति में दिलचस्पी खत्म हो गई है। भाजपा की आलोचना इसलिए की गई क्योंकि पार्टी को कर्नाटक में विपक्ष के नेता के बिना बजट सत्र में भाग लेना पड़ा था। आलाकमान ने बीजेपी विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और अन्य से बात की थी। भाजपा विधायक सुरेश कुमार (ब्राह्मण), वी सुनील कुमार (ओबीसी), सीएन अश्वथ नारायण (वोक्कालिगा), आर अशोक (वोक्कालिगा), अरविंद बेलाड (लिंगायत) का नाम भी इस पद के लिए माना जा रहा है।

व्यापारी की गोली मारकर हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। गुजरात में शराब तस्करी के लिए वांछित एक शराब व्यापारी की सांचौर में तीन हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह हत्या दो समूहों के बीच प्रतिद्वंद्विता का परिणाम प्रतीत होती है। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार दोपहर हमलावरों ने लक्ष्मण देवासी नाम के व्यापारी के वाहन को सांचौर शहर की इंदिरा कॉलोनी में उसके घर से निकलते ही रोक लिया और भागने से पहले करीब से उस पर गोलियां चलायीं। पुलिस ने बताया कि देवासी को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि करीब छह संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है।

एक सूत्र ने कहा, प्रारंभिक जांच से पता चला है कि देवासी गुजरात पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए गुजरात जा रहा था। देवासी के खिलाफ गुजरात में शराब तस्करी से जुड़े करीब 50 मामले दर्ज हैं। वहां की पुलिस उसके साथी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, गुजरात पुलिस ने सोमवार सुबह सांचौर स्थित देवासी के घर पर छापा मारा था, लेकिन वह वहां नहीं था।

हत्या के विरोध में देवासी समुदाय के सैकड़ों सदस्य अस्पताल में एकत्र हुए। उन्होंने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए उसका शव लेने से इनकार कर दिया। पुलिस ने उन्हें दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद उन्होंने शव लिया और मंगलवार शाम तक उसका अंतिम संस्कार कर दिया। व्यापारियों के संगठन अखिल व्यापार मंडल के आह्वान पर विरोध स्वरूप सांचौर शहर के बाजार बंद रहे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह घटना शराब और टोल कारोबार को लेकर दो समूहों के बीच प्रतिद्वंद्विता का परिणाम प्रतीत होती है।

जैसलमेर में सीमा क्षेत्र के पास गुब्बारा मिला

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर जिले में एक सीमावर्ती क्षेत्र के पास एक गुब्बारा मिला है जिस पर 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस' लिखा हुआ है। यह जानकारी पुलिस ने मंगलवार को दी। पुलिस ने बताया कि सोमवार शाम कुछ ग्रामीणों ने नगराजा गांव के एक खेत के किनारे हरे और सफेद रंग का एक गुब्बारा देखा, जिसकी हवा निकल गई थी। पुलिस ने कहा, गुब्बारा हवाई जहाज के आकार का है और उस पर उर्दू में कुछ शब्द और अंग्रेजी में 'पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस', 'एसजीए' लिखा हुआ है। पुलिस ने बताया कि गुब्बारे में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और मामले की जांच की जा रही है।

भाजपा की सोच ने मणिपुर में आग लगा दी है : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मणिपुर में पिछले कुछ महीनों से जारी जातीय हिंसा को लेकर बुधवार को एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पार्टी नीत केन्द्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उसकी (भाजपा) सोच ने मणिपुर में आग लगा दी है। गांधी 'विश्व आदिवासी दिवस' पर राजस्थान में बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में आयोजित रैली को संबोधित कर रहे थे। संसद में अपने संबोधन का जिक्र करते हुए गांधी ने कहा, अपने भाषण में मैंने कहा कि हिंदुस्तान एक आवाज है... हर नागरिक की आवाज है... आदिवासियों, पिछड़ों, दलितों, महिलाओं और बाकी सबकी आवाज है... और जहां भी भाजपा के लोग जाते हैं हिंदुस्तान की आवाज को चुप कराने, दबाने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, भाजपा की सोच ने मणिपुर में आग लगा दी। तीनचार महीने से मणिपुर में आग लगी है, लोग मारे जा रहे हैं, बच्चे मारे जा रहे हैं, महिलाओं से बलात्कार हो रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा, मैंने संसद में बोला कि मणिपुर में भारत माता की हत्या हुई है। भाजपा की विचारधारा ने मणिपुर में भारत माता की हत्या की। वहां तीन-चार महीने से आग लगी है। अगर प्रधानमंत्री चाहें तो दो-तीन दिन में उस आग को बुझा सकते हैं। अगर प्रधानमंत्री हिंदुस्तान की सेना को कहते हैं कि इस आग को दो दिन में बुझा दो, सेना इस आग को बुझा देगी। मगर प्रधानमंत्री इस आग को जलाए रखना चाहते हैं उन्होंने ही तो बांटा है मणिपुर को। ऐसा लगता है कि मणिपुर हिंदुस्तान का भाग ही नहीं, राज्य ही नहीं। प्रधानमंत्री ने एक शब्द भी नहीं बोला।

साथ ही राहुल गांधी ने भाजपा द्वारा आदिवासियों के लिए 'वनवासी' शब्द के उपयोग की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, वे कहते हैं कि आप आदिवासी नहीं वनवासी हैं। मतलब आप इस देश के ओरिजिनल (मूल) मालिक नहीं हैं। आप जंगल में रहते हैं... यह आपका अपमान है। यह भारत माता का अपमान है। यह सिर्फ आदिवासियों का नहीं, पूरे देश का अपमान है। कांग्रेस नेता ने रैली में बड़ी संख्या में पहुंचे आदिवासियों से कहा, आप वनवासी नहीं हैं, आप आदिवासी हैं। उन्होंने कहा भाजपा और आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ) चाहते हैं कि आप जंगलों में रहें, जंगलों से बाहर ना निकलें, आपके बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील ना बनें। राहुल गांधी ने कहा, हम इस बात को मानने को तैयार नहीं हैं। आप इस देश के मालिक हैं। यह जमीन आपकी है। इस देश में आपको हक़ मिलना चाहिए। वह आपसे कहते हैं आप वनवासी हैं और फिर आपके जंगलों को आपके हाथों से छीन कर अडाणी को पकड़ा देते हैं। गांधी ने कहा, हम चाहते हैं कि आदिवासियों का हक उन्हें मिले, उनके सपने पूरे हों। उन्होंने राज्य सरकार की चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना सहित कई योजनाओं की सराहना की। मंच पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा सहित पार्टी के अनेक नेता व पदाधिकारी मौजूद थे।

गहलोत ने नवीन जिलों के शीर्घ पूर्ण रूप से क्रियाशील होने संबंधी दिए दिशानिर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आमजन के प्रशासनिक कार्यों की सुगमता के लिए अधिकारियों को नवीन जिलो के शीर्घ ही पूर्ण रूप से क्रियाशील होने संबंधी दिशानिर्देश दिए हैं। गहलोत मंगलवार देर रात मुख्यमंत्री निवास पर नवीन जिलों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास तथा जनभावनाओं का सम्मान करते हुए राज्य सरकार ने नवीन जिलों तथा संभागों का सृजन किया है। विकेन्द्रीकरण से प्रशासन की क्षमताएं बढ़ेंगी और कानून व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि पिछले 60 वर्षों में मात्र सात नवीन जिलों का गठन हुआ जबकि इस अवधि में प्रदेश की जनसंख्या में तीन गुना बढ़ौतरी हुई। जुलाई 2006 में राज्य का नवीनतम प्रतापगढ़ जिला घोषित हुआ था जो 2008 में क्रियाशील हुआ। राज्य की वर्तमान जनसंख्या एवं भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए हमने 17 मार्च 2023 को नवीन जिले तथा संभाग के सृजन की घोषणा की थी, जो कि मात्र पांच माह की अवधि में ही क्रियाशील हो चुके हैं। यह अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

बैठक में बताया गया कि समस्त नवीन जिलो में जिला कलेक्टर एवं जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय प्रारंभ हो चुके हैं। साथ ही नवीन रेंजों में एडीजी को रेंज प्रभारी नियुक्त किया जा चुका है। संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्ट्रेट सहित सभी मुख्य विभागों के जिला स्तरीय कार्यालयों के लिए पद सृजन की कार्यवाही की जा चुकी है। पुलिस विभाग द्वारा प्रत्येक नवीन जिले के लिए 50 का अतिरिक्त जाबता आरक्षित करते हुए नवीन पदों पर पदस्थापन किया जा चुका है। जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालयों के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक जिला कलेक्ट्रेट के लिए एक करोड़ रुपए एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के लिए 60 लाख रुपए का आवंटन किया जा चुका है।

बैठक में बताया गया कि मिनी सचिवालय/कलेक्ट्रेट के लिए भूमि चयन को अंतिम रूप अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्व की अध्यक्षता में गठित एक राज्य स्तरीय समिति द्वारा दिया जाएगा। इसके लिए नए जिलों से पूर्व में प्राप्त प्रस्तावों को भी इस समिति द्वारा रिव्यू किया जाएगा। सुनियोजित विकास के दृष्टिगत नगर नियोजन विभाग के अधिकारियों की कमेटी द्वारा मौके पर जाकर मिनी सचिवालय/जिला कलेक्ट्रेट के लिए चिह्नित भूमि की उपयुक्तता का परीक्षण किया जाकर राज्य स्तरीय समिति को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। उक्त समिति द्वारा यह भी ध्यान रखा जाएगा कि यदि भूमाफियाओं एवं अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा भूमि की खरीद फरोक्त की गई है, तो आवश्यक होने पर मिनी सचिवालय/जिला कलेक्ट्रेट हेतु चिह्नितत भूमि एवं आसपास के क्षेत्र में भू-रूपांतरण पर रोक भी लगाई जा सकेगी।

नाबालिग लड़की के साथ हुई दरिंदगी किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता : पायलट

जयपुर/दक्षिण भारत । कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा कि भीलवाड़ा जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई दरिंदगी किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। पायलट ने कहा कि यह सरकार, प्रशासन और हम सभी की जिम्मेदारी है कि मामले में आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। कांग्रेस नेता ने भीलवाड़ा में संवाददाताओं से कहा, भीलवाड़ा जिले में जिस दरिंदगी से एक नाबालिग बच्ची का बलात्कार हुआ और उसकी हत्या की गई वो किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं आरोपियों ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया और हत्या कर दी.. उन्होंने मानवता की सीमाओं को लांघा है। पायलट भीलवाडा के कोटडी में मृत नाबालिग लड़की के परिजनों से मुलाकत करने पहुंचे थे। उल्लेखनीय है कि दो अगस्त को भीलवाड़ा जिले के कोटडी थाना क्षेत्र में 14 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी, और बाद में उसे कोयले की भट्टी में जला दिया गया था।

बदहाल कानून व्यवस्था और महिला उत्पीडन से प्रदेश शर्मशार : चंद्रशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने मंगलवार को सीकर और झुंझुनू में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठकों में भाग लिया। इस दौरान उन्होने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संगठन की आगामी कार्ययोजना और रोडमैप पर विस्तार से बताया। बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा का संगठनात्मक ढांचा पूरे विश्व में अपनी अनूठी पहचान रखता है, इसके पीछे कार्यकर्ता की लगन और कडी मेहनत है। हमारे संगठन का कार्यकर्ता किसी स्वार्थ के लिए काम नहीं करता, बल्कि समाज की हर आपदा और विपदा में सहयोग को सदैव तत्पर रहता है।

संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि प्रदेश में महिला उत्पीडन और बेलगाम अपराधों से आमजन पूरी तरह त्रस्त है। कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी से किसान खुद को ठगा सा महसूस कर रहा है। छात्र आज सालभर परीक्षाओं की तैयारी में अपना पैसा और कीमती समय लगाता है, लेकिन पेपर देने के बाद पता चलता है कि पेपर ही लीक हो गया। आमजन की पीडा को कम करने के बजाय कांग्रेस के नेता गैर जिम्मेदाराना बयान देते हैं। प्रदेश का किसान कर्ज से तंग आकर आत्महत्या करने को मजबूर है उसकी जमीनें नीलाम हो रही हैं।

संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि भीलवाडा के कोटडी में एक जघन्य दुष्कर्म की घटना और उसके बाद शव को भट्टी में डाल देना। इतनी बडी घटना होने के बावजूद पीडित परिवार की रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी करने के बजाय पुलिस पीडित परिवार से मृतका की मार्कशीट और टीसी मांगती रही। इसके बाद भी पीडित परिवार ही आरोपियों को पकडकर पुलिस को सौंपता है। प्रदेश में प्रतिदिन 18 दुष्कर्म की घटनाएं और रोज सात से आठ हत्या और फायरिंग के मामले देखकर स्पष्ट है कि कानून व्यवस्था किस कदर बिगडी हुई है। जिला समन्वय समिति की बैठकों में भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, सीकर जिलाध्यक्ष इंदिरा चौधरी और झुंझुनू जिलाध्यक्ष पवन मावंडिया सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्वागत

बुधवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया के सूरतगढ़ पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उनका स्वागत करते हुए।

दौसा में अपराधी की हत्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में मंगलवार देर रात एक अपराधी की कथित तौर पर कुछ लोगों ने पीट पीट कर हत्या कर दी। पूर्व में अपराधी की इन लोगों से लड़ाई हुई थी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि निरंजन मीणा का आपराधिक इतिहास रहा है। वह मेहंदीपुर बालाजी थाने के पास घायल अवस्था में मिला। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि प्राथमिक जानकारी के मुताबिक मंगलवार रात को मीणा के साथ बुरी तरह मारपीट की गई।

एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मीणा किसी सीताराम यादव को धमकी देता नजर आ रहा है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में सीताराम यादव और यादराम मुख्य संदिग्ध हैं। कुछ दिन पहले मीणा ने सात-आठ अन्य लोगों के साथ मिलकर कथित तौर पर सीताराम और यादराम पर हमला किया था, जिसके बाद सीताराम ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कराया था।

दामाद ने सास की हत्या की

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले के सुखेर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने उसकी नाबालिग पत्नी को साथ नहीं भेजने पर सास का गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस उपाधीक्षक (अतिरिक्त चार्ज सुखेर थाना) चेतना भाटी ने बताया कि मीरा नगर निवासी गीता कुंवर भाटी की 17 वर्षीय बेटी का विवाह इस वर्ष मई में राजसमंद निवासी ईश्वर सिंह (24) के साथ हुआ था। शादी के बाद से नाबालिग अपनी मां के पास रह रही थी। रविवार को ईश्वर सिंह अपने ससुराल (उदयपुर) आया था, सास ने बेटी को दामाद (ईश्वर सिंह) के साथ भेजने से मना कर दिया।

'चिरंजीवी' परिवारों की महिला मुखियाओं को मिलेगा स्मार्टफोन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरूवार दोपहर बिड़ला सभागार में 'इंदिरा गांधी स्मार्टफोन योजना' का शुभारम्भ करेंगे। मुख्यमंत्री चिरंजीवी परिवार की महिला मुखियाओं को स्मार्टफोन व इंटरनेट कनेक्टिविटी के साथ सिम वितरित करेंगे। साथ ही, 'डिजिटल सखी बुक' लॉन्च करने के बाद राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करेंगे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सभागार में उपस्थित तथा वी.सी. से जुड़ी लाभार्थियों से संवाद भी करेंगे। योजना में प्रथम चरण में 40 लाख महिला लाभार्थियों को टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ढठ-ख) से अधिकृत टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स के माध्यम से स्मार्टफोन एवं सिम मय डेटा कनेक्टिविटी का वितरण किया जाएगा। लाभार्थी शिविरों में अपने पसंद के स्मार्टफोन चुन सकेंगे। इसके लिए लाभार्थियों को स्मार्टफोन व सिम के लिए 6800 रुपए डीबीटी के माध्यम से ई-वॉलेट में जमा किए जाएंगे।

यह योजना छात्राओं, विधवा एवं एकल नारी को सशक्त करने की राज्य सरकार की एक अनूठी पहल है। इससे प्रदेश की महिलाओं में जागरूकता बढ़ेगी और वे अपने परिवार की समृद्धि और प्रगति में अधिक भागीदारी निभा पाएगीं। स्मार्टफोन की सहायता से दूर-दराज क्षेत्रों में पढ़ रही छात्राएं अपने परिवार से निरंतर सम्पर्क में रहने के साथ ऑनलाइन पढ़ाई भी कर सकेंगी। लाभार्थी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगी। योजना से प्रदेश की महिलाओं को डिजिटल साक्षर किया जाएगा, जिससे वे समस्त योजनाओं का लाभ लेने के साथ बैंकिंग सम्बन्धी कार्य स्वयं कर सकेंगी। योजना के अंतर्गत स्मार्टफोन वितरण संबंधित जानकारी जनसूचना पोर्टल और टोल फ्री नंबर 181 पर ली जा सकती है।

आदिवासियों की भागीदारी, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने आदिवासियों की भागीदारी, सम्मान एवं सुरक्षा के लिए प्रदेश सकार को प्रतिबद्ध बताते हुए कहा है कि आज विश्व आदिवासी दिवस पर हमें इनके उत्थान के लिए अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर गहलोत ने बुधवार को सोशल मीडिया पर अपना वीडियो जारी कर यह बात कही। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि राजस्थान में आदिवासी दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जाता है। आदिवासियों का प्रकृति प्रेम, वे प्रकृति के पूजक रहे है, आदिवासियों ने जल, जमीन और जंगल की रक्षा करने में बलिदान दिए है। आदिवासियों में जो महापुरुष हुए है उनमें भगवान बिरसा मुंडा, मावजी महाराज, संत गोविंद गुरु, नाना भाई खाट, भीखा भाई भील या काली बाई हो इनके बलिदान को समाज भूल नहीं सकता है।

पांच आदिवासी भाई राज्य मंत्रिमंडल में मेरे साथी है और उनके पास विभिन्न महत्वपूर्ण विभाग हैं और वे पूरी तरह समर्पित होकर काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नौ अगस्त को अवकाश रखा है ताकि लोग आदिवासी समाज के महत्व को समझ सके, उनके उत्थान के लिए काम करने की सोच पैदा कर सके यह समझकर इस दिन यह छुट्टी रखी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ अगस्त को ही शुरु हुआ था अंगेजों भारत छोड़ों और उसके बाद देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि उस दौरान मानगढ़ की पहाड़ियों पर संत गोविंद गुरु के नेतृत्व में एक हजार से अधिक आदिवासी शहीद हो गए, उसे देश और समाज कभी भूल नहीं सकता। उन्होंने बताया कि आदिवासी समाज के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने अनेक कार्य किए हैं।

गहलोत ने राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी के गठन को मंजूरी दी

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी के गठन को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार राज्य सरकार द्वारा राजस्थान प्राकृत भाषा एवं साहित्य अकादमी का गठन किया जाएगा। यह अकादमी जैन धर्म के लोक साहित्य के प्रकाशन एवं जैन समुदाय की पुरातात्विक धरोहरों एवं मंदिरों के पुररूद्धार व संरक्षण हेतु कार्य करेगी। बयान के अनुसार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अकादमी के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है।

कांग्रेस का इतिहास खून से सना हुआ, महिला सुरक्षा से इनका कोई सरोकार नहीं : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणियों पर पलटवार करते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बुधवार को 1984 के सिख विरोधी दंगों और कश्मीर में अशांति एवं कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया और कहा कि कांग्रेस का इतिहास खून से सना है और विपक्ष को महिला सुरक्षा, गरीब कल्याण, नौजवानों के हितों एवं देश के विकास से कोई सरोकार नहीं है। लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए स्मृति ईरानी ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि राहुल गांधी ने भारत माता की हत्या की बात की और कांग्रेस के लोग यहां मेज थपथपा रहे थे, संसदीय इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ।

विपक्षी सदस्यों की टोकाटोकी के बीच ईरानी ने केंद्र में कांग्रेस की सरकार के समय हुए 1984 के सिख विरोधी दंगों और कश्मीर में अशांति व कश्मीरी पंडितों पर अत्याचार तथा आपातकाल के मुद्दे उठाए और कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने लोकसभा में राहुल गांधी के एक बयान के जवाब में कहा, मणिपुर खंडित नहीं है, विभाजित नहीं है, वह देश का अभिन्न अंग है। ईरानी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने न सिखों के साथ इंसाफ किया, न ही नौजवानों, किसानों के हितों की चिंता की और न ही महिलाओं की सुरक्षा पर ध्यान दिया। ईरानी ने कहा, ऐसे में जो देश के लोगों, महिलाओं, गरीबों और नौजवानों की बात कर रहा है, उस पर देश फिर से विश्वास करेगा। 2024 में फिर से नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनेगी। देश की जनता कभी भी उनकी (राहुल गांधी) माताजी के हाथों में देश की तिजोरी की चाबी नहीं देगी।

नोएडा में साइबर ठगी की रकम से सोना खरीदने वाले गिरोह का पर्दाफाश, चार गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है जो लोगों के क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उनसे रुपए ऐंठता और उन रुपयों के आधार पर बड़े-बड़े आभूषण कारोबारियों से सोने के सिक्के खरीद कर लाखों रुपए की ठगी करता था। पुलिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने कहा कि सेक्टर-20 थाने की पुलिस ने बुधवार को एक सूचना के आधार पर भूपेंद्र, हेमंत, सचिन तथा ध्रुव को गिरफ्तार किया। इनके पास से पुलिस ने दो लाख रुपए नकद तथा सोना गिरवी रखकर कर्ज देने वाली एक कंपनी में जमा तीन लाख रुपए मूल्य का सोना जब्त किया। बदमाशों के पास से पुलिस ने मोबाइल फोन तथा अन्य उपकरण बरामद किए हैं। डीसीपी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला कि कुछ समय पहले हैदराबाद पुलिस ने भी इन लोगों को पकड़ा था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी विभिन्न लोगों से संपर्क कर उनके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ाने के नाम पर उनके खाते से रकम निकाल लेते और 'रेजर-पे' ऐप के माध्यम से बड़े-बड़े सुनारों से संपर्क करके उन्हें रकम हस्तांतरित करते तथा उनके यहां से सोना लेते थे।

'भारत छोड़ो दिवस' पर हम भाजपा से दिल्ली छुड़वाने की कसम लेते हैं : ममता बनर्जी

झारग्राम (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि जातीय हिंसा से प्रभावित मणिपुर के आदिवासी संकट का सामना कर रहे हैं और उनकी तकलीफें सुनने वाला कोई नहीं है। झारग्राम के तीन दिवसीय प्रशासनिक दौरे पर आईं बनर्जी ने पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति से निपटने में असफल रहने को लेकर भाजपा नीत केन्द्र सरकार पर निशाना साधा और दुनिया भर के लोगों से उनके लिए प्रार्थना करने को कहा। भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को देश छोड़ देना चाहिए। बनर्जी ने कहा, मणिपुर में आदिवासी संकट का सामना कर रहे हैं। उनकी तकलीफें सुनने वाला कोई नहीं है। भारत में दलितों को प्रताड़ित किया जा रहा है और केन्द्र को कोई फर्क नहीं पड़ता है। भारत छोड़ो दिवस पर हम भाजपा से भारत छुड़वाने की कसम लेते हैं। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस द्वारा एक गैर-शिक्षाविद को एक विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किए जाने का संदर्भ देते हुए बनर्जी ने कहा, राज्यपाल का पद संवैधानिक है और इसकी संवैधानिक सीमाएं हैं।

वंशवाद की राजनीति, भ्रष्टाचार व तुष्टिकरण की भारत से विदाई जरूरी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को महात्मा गांधी द्वारा 1942 में आज ही के दिन शुरू किए गए 'भारत छोड़ो आंदोलन' को याद किया और कांग्रेस तथा विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के घटक दलों पर निशाना साधते हुए आह्वान किया कि वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति देश हित में समाप्त होनी चाहिए।

भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति वंशवादी राजनीति के साथ आती है। उन्होंने केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान हुए कई घोटालों के साथ-साथ 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों... तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के शासन वाले राज्यों में सामने आए घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि वंशवाद की राजनीति, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को देश के सर्वोत्तम हित में भारत छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि ये देश की 'तीन बीमारियां' हैं जिन्हें भारत छोड़ देना चाहिए। प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, भारत, इसकी सुरक्षा, अखंडता के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इन

तीन बीमारियों... घोर परिवारवाद, भ्रष्टाचार और शर्मनाक तुष्टीकरण को भारत छोड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने की रक्षा करनी है, राजनीति में शुचिता को वापस लाना है और देश को बचाना है, तो इन तीन अभिशापों को भारत छोड़ना होगा।

इस बीच, भाजपा सांसदों ने वंशवादी राजनीति, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति को देश से खत्म करने की मांग करते हुए संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया।

प्रसाद ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भाजपा वंशवादी राजनीति के खिलाफ है न कि किसी नेता के बेटे या बेटी के राजनीति में आने और चुनाव लड़ने के खिलाफ। उन्होंने कहा कि वंशवादी राजनीति का मतलब किसी नेता का बेटा या बेटी है जो पार्टी को प्रमुख के रूप में चलाता है, प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री बनता है या पार्टी का प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनता है। उन्होंने कहा, इसे परिवारवाद कहा जाता है जिसमें पार्टी के आम कार्यकर्ताओं और नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है।

प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी की 'पैकेजिंग और रीपैकेजिंग' होती रहेगी लेकिन यह कांग्रेस के नेताओं को देखना है कि उनमें 'इस महान देश का नेता बनने की' कितनी क्षमता है।

भाजपा नेता ने गांधी को 'जन नायक' कहने के लिए कांग्रेस पर भी निशाना साधा और कहा कि लोगों ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को उनके महान योगदान के लिए यह उपाधि दी थी।

अस्तित्व के लिए आदिवासियों में वृहद एकता की जरूरत : सोरेन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को देशभर के आदिवासियों से अपने अस्तित्व की लड़ाई में एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने दावा किया कि विनाशकारी शक्तियां और धार्मिक चरमपंथी उनका दमन कर उनके संसाधनों पर कब्जा करना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समुदाय असंगठित और विभाजित है तथा यही वजह है कि उनके मुद्दे, चाहे वह मणिपुर हो या झारखंड, को सुना नहीं जाता।

सोरेन ने यहां आयोजित झारखंड आदिवासी महोत्सव को संबोधित करते हुए कहा, उनके बीच (आदिवासियों के) उन ताकतों से लड़ने को लेकर चर्चा होनी चाहिए जो (आदिवासियों के) सभी संसाधनों, पहचान और संस्कृति पर कब्जा करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि मणिपुर, झारखंड, छत्तीसगढ़, गुजरात राजस्थान और तमिलनाडु सहित देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासी अपनी पहचान के लिए संघर्ष कर रहे हैं जबकि विनाशकारी ताकतें उनका दमन करने को तत्पर हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए सोरेन ने कहा कि जिनकी कोई जाति नहीं है उन्हें विनाशकारी ताकतें 'जनजाति' और 'वनवासी' के तौर पर प्रचारित कर रही हैं।

जातिवार जनगणना को लेकर अब सबकी निगाहें उत्तर प्रदेश पर टिकीं : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा कि पटना उच्च न्यायालय द्वारा बिहार में जातिवार जनगणना को 'पूर्णत: वैध' ठहराए जाने के बाद अब सबकी निगाहें उत्तर प्रदेश पर टिकी हैं कि इस राज्य में यह प्रक्रिया कब शुरू होगी।

मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर इस मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) समाज की आर्थिक, शैक्षणिक व सामाजिक स्थिति का सही आकलन कर उसके हिसाब से विकास योजना बनाने के लिए बिहार सरकार द्वारा कराई जा रही जातीय जनगणना को पटना उच्च न्यायालय द्वारा पूर्णत: वैध ठहराए जाने के बाद अब सबकी निगाहें उत्तर प्रदेश पर टिकी हैं कि यहां यह जरूरी प्रक्रिया कब शुरू होगी? उन्होंने इसी सिलसिले में किए गए एक अन्य ट्वीट में कहा, देश के कई राज्यों में जातीय जनगणना के बाद उत्तर प्रदेश में भी इसे कराने की मांग लगातार ज़ोर पकड़ रही है, लेकिन वर्तमान भाजपा की सरकार भी इसके लिए तैयार नहीं लगती है, यह अति-चिन्तनीय है। बसपा की मांग है कि केवल उप्र में ही नहीं बल्कि केन्द्र को राष्ट्रीय स्तर पर भी जातीय जनगणना करानी चाहिए। बसपा अध्यक्ष ने ट्वीट में कहा, देश में जातीय जनगणना का मुद्दा मण्डल आयोग की सिफारिश को लागू करने की तरह राजनीति का नहीं बल्कि सामाजिक न्याय से जुड़ा महत्त्वपूर्ण मामला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के इतिहास को प्रदर्शित करने वाले रंगमंच महोत्सव की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ईटानगर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के अनकहे इतिहास को व्यापक तौर पर बताने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होने वाले चार दिवसीय थिएटर कार्यक्रम 'अरुणाचल रंग महोत्सव' पर बुधवार को प्रसन्नता व्यक्त की। महोत्सव का अंतिम चरण मंगलवार को असम के गुवाहाटी में श्रीमंत शंकरदेव अंतरराष्ट्रीय सभागार में शुरू हुआ। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, अरुणाचल रंग महोत्सव, एक कार्यक्रम से कहीं अधिक बढ़कर है। यह अरुणाचल प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का उत्सव है। यह एक भारत, श्रेष्ठ भारत के सिद्धांतों के अनुरूप है।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू द्वारा ट्वीटर पर साझा किए गए एक बयान को साझा करते हुए कहा मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम को दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और गुवाहाटी सहित भारत के विभिन्न हिस्सों में आयोजित होते देखकर अच्छा लगा।

'संप्रग के खिलाफ घोटालों की फेहरिस्त, इसलिए विपक्ष के पास नाम बदलने के अलावा कोई रास्ता नहीं था'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) पर उसके नाम को लेकर कटाक्ष करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के नाम पर 12 लाख करोड़ रुपए के घोटाले दर्ज हैं, ऐसे में विपक्ष के पास नाम बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में बोलते हुए शाह ने कहा, विपक्ष ने नाम क्यों बदला। गठबंधन का नाम यूपीए (संप्रग) अच्छा था। लेकिन जब 12 लाख करोड़ रुपए के घोटाले नाम पर चढ़े हैं तो बाजार में कैसे जाएं। जब कंपनी दिवालिया हो जाती है या साख खराब हो जाती है तो नाम बदल देती है। इन्होंने भी नाम बदल लिया। शाह ने कहा कि कांग्रेस समेत विपक्षी गठबंधन के घटक दलों के नाम पर अनेक घोटाले दर्ज हैं जिनमें बोफोर्स, 2जी स्पेक्ट्रम, सत्यम, राष्ट्रमंडल, कोयला घोटाला, वोट के बदले नोट, आदर्श, नेशनल हेराल्ड, चारा घोटाला और आईपीएल घोटाला हैं। इनके पास नाम बदलने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। हमें नाम बदलने की जरूरत नहीं है। शाह ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा नीत केंद्र सरकार के छह साल और प्रधानमंत्री मोदी के अब तक के नौ साल के कार्यकाल में कोई ऐसा काम नहीं हुआ जिससे सिर झुकाना पड़े।

'पीडीए' को शूद्र समझती है भाजपा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) को 'शूद्र' समझने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि जिस तरह हिन्दू-मुस्लिम एकता के साथ अंग्रेजों को भारत से भगाया गया था, वैसे ही विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इनक्लूसिव एलायंस) और पीडीए मिलकर अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे।

यादव ने 'अगस्त क्रांति' दिवस पर यहां आयोजित एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत में भाजपा पर देश के पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए कहा, समाजवादियों ने अपना पूरा जीवन पीडीए को आगे बढ़ाने में लगा दिया। भाजपा पीडीए पर कभी नहीं बोलेगी क्योंकि वह पीडीए वालों को शूद्र समझती है। सरकार हमें बताए कि राज्य के विश्वविद्यालयों में जितने भी कुलपतियों की नियुक्ति हो रही है उनमें पीडीए का कितना प्रतिनिधित्व है?

पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' और 'पीडीए' मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराएंगे। उन्होंने कहा, जिस तरीके से हिंदू-मुस्लिम एकता के साथ अंग्रेजों को भगाया गया था, उसी तरह आने वाले समय में किसान, नौजवान, व्यापारी, माताएं-बहनें और सभी हिंदू-मुस्लिम भाई एक होकर भाजपा को हटाने का काम करेंगे।

यादव ने कहा, आज सत्ता में वे ही ताकतें हैं जिन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन का विरोध किया था, उसका बहिष्कार किया था। इन लोगों से अगर आप इस कोने की बात पूछेंगे तो वे दूसरे कोने का जवाब देंगे। कल सदन में मैंने यही सवाल पूछा था कि 15 साल की आयु वर्ग के बच्चों के भविष्य, रोजगार और नौकरी के लिए सरकार ने क्या कदम उठाए हैं, क्या नई शिक्षा नीति से उनका भविष्य बेहतर हो सकता है? सवाल आबादी का नहीं था लेकिन जिन मुख्यमंत्री को यह नहीं पता हो कि रोजगार की दर और बेरोजगारी दर क्या है, उनसे नौजवान रोजगार की क्या उम्मीद कर सकते हैं।

वन (संरक्षण) संशोधन अधिनियम नगाओं के लिए खतरा नहीं है : नगालैंड के मुख्यमंत्री रियो

कोहिमा/भाषा। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने बुधवार को कहा कि वन (संरक्षण) अधिनियम 2023 नगाओं के लिए खतरा नहीं है क्योंकि राज्य में 95 प्रतिशत से अधिक वनक्षेत्र लोगों या समुदाय से संबंधित हैं।

संसद द्वारा हाल में वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक पारित किए जाने पर राज्य सरकार के रुख के बारे में पीटीआई-भाषा के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, नगालैंड में मुश्किल से पांच प्रतिशत भूमि और वनक्षेत्र सरकार से संबंधित है जबकि 95 प्रतिशत से अधिक पर लोगों या समुदाय का स्वामित्व है। वन (संरक्षण) संशोधन विधेयक को राज्यसभा ने दो अगस्त को पारित किया था और चार अगस्त को उसे राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई थी। रियो ने यहां एक आधिकारिक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से कहा कि अनुच्छेद 371 (ए) भूमि और संसाधनों पर नगाओं को विशेष संरक्षण प्रदान करता है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि यह राज्य के लिए खतरा नहीं है लेकिन हम इस संबंध में आगे अध्ययन करेंगे और अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

शरणार्थियों के आठ हजार से अधिक बच्चे मिजोरम के स्कूलों में पढ़ रहे : शिक्षा मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। म्यांमार और बांग्लादेश के शरणार्थियों और हिंसाग्रस्त मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों (आईडीपी) के आठ हजार से अधिक बच्चे मिजोरम के स्कूलों में शिक्षा ले रहे हैं। मिजोरम के स्कूल शिक्षा मंत्री लालचंदामा राल्ते ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इन अध्ययनरत 8,119 बच्चों में से 6,366 छात्र म्यांमारर से, 250 बांग्लादेश से और 1,503 छात्र मणिपुर से हैं।

राल्ते ने बताया कि इन छात्रों को स्थानीय विद्यार्थियों की तरह ही स्कूल की मुफ्त वर्दी, पुस्तकें तथा मध्याह्न भोजन मुहैया कराया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मिजोरम सरकार जो जनजातियों के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। शिक्षा मंत्री ने कहा, मिजोरम सरकार दुनिया भर की जो जनजातियों को एक ही मानती है। हमारा यह सिद्धांत शिक्षा क्षेत्र में भी नजर आता है। सरकार जरूरतमंदों को न केवल आश्रय प्रदान करती है, बल्कि शिक्षा भी मुहैया कराती है। उन्होंने कहा कि 44 शरणार्थी बच्चों ने 2022 में दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के लिए पंजीकरण कराया था। इनमें से 31 छात्रों ने परीक्षा दी तथा 28 छात्रों ने 90.32 प्रतिशत अंकों के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। म्यांमार और बांग्लादेश से कुकी-चिन समुदाय के हजारों शरणार्थियों ने मिजोरम में शरण ली है।

ज्ञानवापी परिसर के आसपास मीडिया कवरेज पर पाबंदी : अदालत का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उत्तर प्रदेश)/भाषा। वाराणसी की एक अदालत ने बुधवार को मीडिया को ज्ञानवापी परिसर में हो रहे सर्वेक्षण और उसके आसपास के क्षेत्र में कवरेज नहीं करने को कहा और सर्वेक्षण कर रही एएसआई की टीम के सदस्यों को इस संबंध में मीडिया में कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया है।

ज्ञानवापी मस्जिद की देखरेख करने वाली संस्था अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी ने ज्ञानवापी परिसर में जारी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सर्वे को लेकर भ्रामक खबरें फैलाए जाने का आरोप लगाते हुए जिला अदालत से सर्वेक्षण के मीडिया कवरेज पर रोक लगाने का अनुरोध किया था। संस्था की इस अर्जी पर आज दोपहर बाद सुनवाई हुई। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि जिला अदालत के न्यायाधीश एके विश्वेश ने ज्ञानवापी प्रकरण में सुनवाई करते हुए आज मीडिया को निर्देश दिया कि वह इस (ज्ञानवापी) प्रकरण में मौके पर जाकर किसी प्रकार की कवरेज नहीं करेगा। अदालत ने सर्वेक्षण में शामिल एएसआई की टीम के सदस्यों को भी इस संबंध में मीडिया में कोई टिप्पणी नहीं करने का निर्देश दिया। साथ ही अदालत ने कहा कि इस संबंध में सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियां नहीं जाएं जिससे शांति भंग होने की आशंका हो। हिन्दू पक्ष के दूसरे अधिवक्ता सुभाष चतुर्वेदी ने बताया, अदालत ने निर्देश दिया है कि सर्वेक्षण सुचारू ढंग से चलने दें। मीडिया अपना कवरेज करे लेकिन प्राप्त साक्ष्यों की जानकारी जनता के बीच ना पहुंचाए। न्यायाधीश ने कहा कि सभी तथ्य और सर्वे की रिपोर्ट गोपनीय रूप से अदालत में जमा होगी और अगर अदालत आदेश देगी तो इसे सार्वजनिक किया जाएगा।

अभी ओलंपिक नहीं, विश्व में शीर्ष तीन में जगह बनाना लक्ष्य : एचएस प्रणय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय भले ही ओलंपिक में जगह बनाने की दौड़ में आगे चल रहे हों लेकिन वह अभी पेरिस के बारे में नहीं सोचना चाहते और इसकी जगह उनका ध्यान विश्व में शीर्ष तीन खिलाड़ियों में जगह बनाने जैसे लघुकालीन लक्ष्यों पर है।

पिछले 12 महीने में भारतीय खिलाड़ियों के बीच सबसे निरंतर प्रदर्शन करने वाले प्रणय की विश्व रैंकिंग अभी नौ है। उन्होंने मई में मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता जबकि पिछले हफ्ते सिडनी में ऑस्ट्रेलिया ओपन में भी खिताब जीतने के करीब पहुंचे लेकिन अंतत: उन्हें उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। प्रणय ने पीटीआई से कहा, अभी संभवत: मैं अच्छी स्थिति में हूं। मई के बाद मेरे लिए कुछ टूर्नामेंट अच्छे रहे लेकिन मैं कहूंगा कि मैं कभी संतुष्ट नहीं होता और मैं हमेशा कोर्ट पर उतरकर बड़े टूर्नामेंट जीतना चाहता हूं, यह हमेशा से मेरा इरादा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मैं लगातार क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में खेलने के सफल रहा हूं और अब मैं प्रयास कर रहा हूं कि मैं एक और दौर आगे जाऊं और फाइनल में जगह बनाऊं तथा टूर्नामेंट में जीत दर्ज करूं।

सुविचार

आखिर क्यों रिश्तों की गलियां इतनी तंग हैं, शुरुआत कौन करे यही सोच कर बात बंद है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उचित प्रस्ताव

अमेरिका में डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसद श्री थानेदार के नेतृत्व में सांसदों के एक दल द्वारा प्रतिनिधि सभा में भारत के स्वतंत्रता दिवस को राष्ट्रीय दिवस के जश्न के तौर पर मनाने की शुरुआत से संबंधित प्रस्ताव रखा जाना स्वागत-योग्य है। भारत में स्वतंत्रता के बाद जिस तरह लोकतंत्र की जड़ें मजबूत हुईं और कई चुनौतियों के बावजूद यह अनुकरणीय उदाहरण पेश कर रहा है, उसके मद्देनजर अमेरिकी संसद में ऐसा प्रस्ताव आना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिकी लोकतंत्र से दुनिया बहुत कुछ सीख सकती है। इस प्रणाली के माध्यम से उसने अपने यहां कई सुधार किए, जिनका प्रभाव अन्य देशों पर भी हुआ। वहीं, भारत में स्वतंत्रता से पहले लोकतंत्र को लेकर कई आशंकाएं व्यक्त की जाती थीं। ब्रिटिश नेताओं ने उपहास उड़ाते हुए यह तक कहा था कि ये लोग इतने बड़े और इतनी विविधता वाले देश को चला ही नहीं सकते। आज दुनिया देख रही है कि भारत की जनता ने उस साम्राज्यवादी व संकीर्ण मानसिकता को पूरी तरह ग़लत साबित कर दिया है। शुरुआत में कुछ समस्याएं जरूर आईं, लेकिन उनका समाधान ढूंढ़ा गया। इसी लोकतंत्र ने साधारण पृष्ठभूमि वाले लोगों को शिखर तक पहुंचाया। उनमें युवाओं को अपना आदर्श भी मिला और देश को नई दिशा। आज विभिन्न देशों के प्रतिनिधि भारत में यह देखने-समझने आते हैं कि इतने बड़े देश का राज-काज कैसे चल रहा है! जब उन्हें पता चलता है कि कई धर्मों, कई जातियों, भाषाओं, खान-पान, कई तरह के पहनावों वाला यह देश इतनी विविधता के बीच एकता के सूत्र में बंधकर सांसदों, विधायकों और स्थानीय शासन के प्रतिनिधियों का चुनाव करता है, तो उन्हें आश्चर्य होता है! वे कहते हैं कि अगर इतनी बड़ी आबादी और इतनी विविधता उनके यहां हो तो चुनाव करवाना और संसद चलाना असंभव कार्य है। वहीं, भारतीय लोकतंत्र में चुनाव किसी उत्सव से कम नहीं हैं। संसद में उपस्थित जनप्रतिनिधि एक 'लघु भारत' की छवि प्रस्तुत करते हैं। वे अपने मुद्दे उठाते हैं और सरकार की ओर से जवाब दिया जाता है। सदन में होने वाली बहस का टीवी और सोशल मीडिया पर प्रसारण किया जाता है। इस पर गांव-ढाणियों तक खूब चर्चा होती है।

अमेरिकी सांसद श्री थानेदार और अन्य सांसदों को 14 अगस्त की ओर भी ध्यान देना चाहिए। इसे 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के तौर पर याद करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2021 में कहा था कि लोगों के संघर्ष और बलिदान की याद में हर साल 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा। यह हमें भेदभाव, वैमनस्य और दुर्भावना के जहर को खत्म करने की न केवल याद दिलाएगा, बल्कि इससे एकता, सामाजिक सद्भाव और मानव सशक्तीकरण की भावना और मज़बूत होगी। निस्संदेह पड़ोसी देश पाकिस्तान 14 अगस्त को अपने स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाता है, लेकिन अब उसकी दुर्गति देखकर उसके नागरिक ही इस पर सवाल उठाने लगे हैं। यही वो दिन था, जब ब्रिटिश साम्राज्यवाद के षड्यंत्र और कुछ नेताओं के स्वार्थ के कारण लाखों लोगों ने प्राण गंवाए और करोड़ों लोग विस्थापित हुए थे। आज तक उसकी पीड़ा महसूस होती है। अमेरिका को चाहिए कि वह भी इस दिन को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में अंकित करे। इस दिन मानवता लहूलुहान हुई थी, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। भारत में बहुत लोगों को यह जानकर आश्चर्य हो सकता है कि इन दिनों पाकिस्तान में 14 अगस्त को 'ब्लैक डे' मनाने के लिए आवाजें उठ रही हैं। उनका कहना है कि पाकिस्तान के नाम पर उनके पूर्वजों के साथ धोखा और भद्दा मजाक हुआ था। पाक की खराब अर्थव्यवस्था और आतंकवादी घटनाओं के कारण नकारात्मक छवि की वजह से आम जनता कहने लगी है कि यह मुल्क (अमेरिका, चीन, सऊदी और आईएमएफ से) कर्ज मांगने और बम फोड़ने के लिए बनाया गया था, जिसमें हमारा कोई भविष्य नहीं है। जिन लोगों ने जिद और नफरत के वशीभूत होकर पाकिस्तान मांगा, भारत मां का विभाजन कराया, आज उनके वंशज हर कीमत पर उस मुल्क को छोड़ने के लिए तैयार बैठे हैं। इस कोशिश में सैकड़ों पाकिस्तानी समुद्र में डूबकर जान गंवा चुके हैं। पाक में सोशल मीडिया पर अक्सर कहा जाता है कि 'वर्ष 1947 में नारा था- पाकिस्तान ज़िंदाबाद। वर्ष 2023 में नारा है- पाकिस्तान से ज़िंदा भाग!' क्या यह नारा 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' सिद्ध करने के लिए पर्याप्त नहीं है?

ट्वीटर टॉक

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के गौरवमयी इतिहास के अनुपम अध्याय 'अगस्त क्रांति दिवस' व स्वतंत्रता सेनानियों के अनुपम साहस के प्रतीक 'काकोरी कांड' की वर्षगांठ के अवसर पर सभी स्वतंत्रता सेनानियों को शत-शत नमन

-सीपी जोशी

उदयपुर में कन्हैयालाल को सुरक्षा क्यों नहीं दी ? कोटा में पीएफआई को रैली निकालने की अनुमति क्यों दी ? हनुमान जयंती , हिंदू नववर्ष , परशुराम जयंती , रामनवमी के त्यौहारों पर धारा 144 क्यों ? चूरू, करौली, अलवर, जोधपुर में सांप्रदायिक सद्भाव बिगड़ने पर कांग्रेस सरकार मौन क्यों रही?

-राजेन्द्र राठौड़

प्रेरक प्रसंग

दिखावटीपन से बचें

एक व्यक्ति को किसी बड़े पद पर नौकरी मिल गयी। वह इस नौकरी से खुद को और बड़ा समझने लगा, लेकिन वह कभी भी खुद को बड़े पद के मुताबिक़ नहीं ढाल सका। एक दिन वह अपने ऑफिस में बैठा था, तभी बाहर से उसके दरवाजे को खटखटाने की आवाज आई। खुद को बहुत व्यस्त दिखाने के लिए उसनें टेबल पर रखे टेलीफोन को उठा लिया और जो व्यक्ति दरवाजे के बाहर खड़ा था उसे अन्दर आने के लिए कहा। वह अन्दर आकर इंतजार करने लगा, इस बीच कुर्सी पर बैठा अधिकारी फ़ोन पर चिल्ला-चिल्ला कर बात कर रहा था।

बीच-बीच में वह फोन पर कहता, कि मुझे वह काम जल्दी करके देना, टेलीफोन पर अपनी बातों को बहुत बढ़ा-चढ़ाकर बता रहा था। ऐसे ही कुछ मिनट तक बात करने के बाद उस आदमी ने फ़ोन रखा और सामने वाले व्यक्ति से उसके ऑफिस आने की वजह पूछी। उस आदमी ने अधिकारी को जवाब देते हुए कहा, सर, मुझे बताया गया था कि 3 दिनों से आपके इस ऑफिस का टेलीफ़ोन ख़राब है और मैं इस टेलीफ़ोन को ठीक करने के लिए आया हूँ।

सामयिक

दिल्ली बिल से लोकतंत्र जीता, 'आप' हारी

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

आखिरकार केजरीवाल सरकार के अधिकार सीमित करने वाला दिल्ली सर्विस बिल राज्यसभा में भी पास हो गया। सोमवार को राज्यसभा में बिल के समर्थन में 131 व विरोध में 102 वोट पड़े। बहरहाल, अब संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद बिल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत कानून का रूप ले लेगा। केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार की मनमानी, भ्रष्टाचार एवं अनियमिताओं पर नियंत्रण लगाने के लिये इस बिल को सफलतापूर्वक पारित कर लिया है, इससे विपक्ष और विशेषकर कांग्रेस की भी हार एवं किरकिरी हुई है। आम आदमी पार्टी की जिद, अहंकार एवं राजनीतिक महत्वाकांक्षा लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' में संविधान के सामने परास्त हो गई। क्योंकि संविधान केवल अधिकार नहीं देता, शुद्ध आचरण की अपेक्षा भी करता है। निःसन्देह यह भाजपा सरकार की ऐतिहासिक जीत इसलिये है कि क्योंकि पहले कयास लगाये जा रहे थे कि राजग के सभी सहयोगियों के वोट मिलने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यसभा में बिल को पारित नहीं करवा पायेगी। वह भी तब जब एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहने वाले आप व कांग्रेस समेत इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस 'इंडिया' के सभी घटक दल बिल के खिलाफ एकजुट हो चुके थे। दरअसल, लोकसभा में बहुमत होने के चलते राजग सरकार ने बिल आसानी से पास करा लिया था, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने ने उसकी चिंता बढ़ा दी। ऐसे वक्त में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल तथा जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी ने राजग की नैया पार लगा दी। निश्चित रूप से 'इंडिया' गठबंधन की बड़ी नाकामी है। भ्रष्टाचार एवं अन्य लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन के कारण इस तरह की पराजय नये भारत के लिये जरूरी भी है, दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी होने के बावजूद आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविन्द केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिये दिल्ली की जनता के प्रति निरन्तर संवेदनहीनता का प्रदर्शन किया है, जिसका खामियाजा उनके प्राप्त अधिकारों के पर कतरने के रूप में सामने आया है, और इन्हीं कारणों के चलते यह संशोधन लाना पड़ा है।

केंद्र सरकार के दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन 'संशोधन विधेयक 2023' पर आम आदमी पार्टी और उसके साथ खड़े सभी राजनीतिक दलों को मुंह की खानी पड़ी। याद रखें कि आम आदमी पार्टी ने इस विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया था। आप के सर्वेसर्वा एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी गैर-भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्रियों एवं भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों से बिल पर समर्थन जुटाने के लिए 'भारत भ्रमण' तक कर लिया था। दिल्ली कांग्रेस के विरोध के बाद भी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व को मजबूर कर दिया कि वह लोकसभा और राज्यसभा में इस विधेयक के खिलाफ आम आदमी पार्टी का साथ दें। इसके बाद भी 'आप' पार्टी के हाथ जब कुछ नहीं आया, तो उसके नेताओं ने अन्य अनैतिक एवं अलोकतांत्रिक रास्ते भी अपनाने का प्रयास किया। राज्यसभा में आप के सांसद राघव चड्ढा ने इस बिल को सिलेक्ट कमेटी के पास भेजे जाने का प्रस्ताव रखा। सत्ता पक्ष के पांच सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी सहमति के बिना प्रस्ताव में उनके नाम डाले गए जिसे हद दर्जे की मनमानी, फर्जीवाड़ा और अपराध मानते हुए इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजे जाने की मांग की, उपसभापति हरिवंश ने इसकी जांच की बात कही है। संभव है इस पर 'आप' के सांसद राघव चड्ढा को सजा हो। दिल्ली सरकार में तरह-तरह के भ्रष्टाचार एवं जालसाजी के किस्से आम बात हो गयी थी, विडम्बना है कि देश की भोलीभाली जनता को इन भ्रष्टाचारों को भाजपा की चाल करार देकर सहानुभूमि जुटाने में माहिर आप सरकार ने संसद को भी नहीं बख्शा। संसद के भीतर जालसाजी के आरोपों में फंसी आप पार्टी ने खेद प्रकट करने की जगह कार्रवाई के डर से, अभी से शोर मचाना शुरू कर दिया है कि भाजपा अब उसके सांसद राघव चड्ढा के पीछे पड़ गई है। यह तो वही बात हुई कि एक तो चोरी और ऊपर से सीनाजोरी'। यदि राघव चड्ढा सही है, उन्होंने कोई फर्जीवाड़ा नहीं किया है, तब उन्हें और उनकी पार्टी के नेताओं को डरने की जरूरत क्यों होनी चाहिए?

'आप' पार्टी एवं उसके नेता केजरीवाल की राजनीति एवं सोच विकृत है, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों से ज्यादा नकाबें उन्होंने ओढ़ रखी है, उन्होंने सारे लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मूल्यों को धराशायी कर दिया है। ऐसी मूल्यहीन राजनीति के चलते देश के भविष्य को लेकर करोड़ों लोग चिन्ता एवं ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है कि देश की राजनीतिक संस्कृति की गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये सतर्क एवं सावधान होना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व के सामने नये मानदण्ड रखने होंगे। जो राजनीतिक दल फर्जीवाडे. एवं भ्रष्टाचार को सामान्य मानते हैं, उन्हें आइना दिखाना होगा। हर कहीं जनता की आंखों में धूल झोंकने के लिए कुछ भी कह दो, कुछ भी कर लो और उजागर होने पर माफी मांगकर आगे बढ़ जाओ की विकृत सोच, चालाकी एवं अवसरवादी राजनीति पर नियंत्रण करना होगा। संभवतः दिल्ली सर्विस बिल का संसद में सफलतापूर्वक पारित होना, इस दिशा में एक सार्थक पहल है, एक सबक है, एक सन्देश है कि सावधान हो जाओ देश को गुमराह करने वालो, लूटने वालों।

राजनैतिक वितंडावाद को ही राजनीति समझनेवाले आप के नेताओं को समझना चाहिए कि संसद जैसा मंच इस प्रकार की ओछी, संकीर्ण एवं स्वार्थी हरकतों के लिए नहीं है। संसद के किसी भी पटल पर, कोई भी बात गंभीरता से, जांच-पड़ताल करने के उपरांत ही रखनी चाहिए। परंतु जिन्होंने दिल्ली की विधानसभा को ही अपनी राजनीतिक जागीर मानकर अपनी खुन्नस निकालने एवं मनमानी करने का अखाड़ा बना लिया हो, उनसे संसद की गरिमा की अपेक्षा करना कितना उचित होगा? भले ही दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस विधेयक को दिल्ली के लोगों को गुलाम बनाने वाला बताया तो या कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने कहा हो कि केंद्र सरकार के पास इस विधेयक को लाने का नैतिक अधिकार नहीं है, यह संघीय संरचना पर कुठाराघात है, वगैरह-वगैरह। आप पार्टी एवं उनके सहयोगी बने दलों के प्रश्नों एवं आरोपों का अमित शाह ने इस विधेयक पर सरकार का पक्ष रखते हुए बहुत ही तार्किक एवं तथ्यपरक ढंग से उत्तर दिया। शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिस तरह से दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने अधिकारियों के तबादले शुरू किए थे, जांच की फाइलों को रातोंरात गायब किया, उसको देखते हुए विधेयक लाना जरूरी हो गया था। दिल्ली सरकार के विरुद्ध कई मामलों की जांच कर रही विजिलेंस को अपने अधीन रखने के लिए आप सरकार बेचैन थी ताकि भ्रष्टाचार न उजागर हो।

निश्चित ही 'आप' सरकार की केंद्र सरकार के साथ अनावश्यक टकराव की परिणति यह हुई कि दिल्ली को अब शायद ही कभी पूर्ण राज्य का दर्जा मिल पाएगा। इस बिल के पारित होने से दिल्ली की जनता का अधिक नुकसान हुआ। केन्द्र सरकार ने देश की राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान सभा में दिल्ली के अधिकार और कार्यों के बारे में चर्चा के साथ सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के साथ वर्ष 1993 में इसे राज्य का दर्जा दिए जाने का पूरा ब्यौरा दिया। जाहिर है दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है और केंद्र सरकार को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार दिल्ली के किसी भी विषय पर कानून बनाने का अधिकार है। दक्ष, अनुभवी एवं परिपक्व मुख्यमंत्री इन बातों के आलोक में ही केंद्र के साथ रचनात्मक सहयोग करके अपना शासन चलाता है। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के समय कभी भी केंद्र के साथ टकराव नहीं हुआ और उन्हें हमेशा केंद्र सरकार का सहयोग और समर्थन मिलता रहा। अपने आपको राजनीति का चाणक्य मानने वाले केजरीवाल अपने अल्प राजनीतिक जीवन में इस बात को समझ नहीं पाए।

मुद्दा

राहुल गाँधी के फ्लाइंग किस के मायने

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

कांग्रेस के सांसद राहुल गांधी संसद के भीतर और बाहर गाहे बगाहे किसी न किसी विवाद से घिरते रहते है। इसे यूँ भी कह सकते है राहुल और विवाद का चोली दामन का साथ है। मोदी सरनेम को चोर बताने पर राहुल को सजा तक हो चुकी है। वे जब भी कुछ कहते हैं तो उस पर विवाद हो जाता है। कभी संसद में आँख मारने का उनका फुटेज वायरल हो गया था। न्यायालय ने उन्हें संयमित भाषण देने को भी कहा मगर लगता है राहुल किसी भी तरह सुधरने को तैयार नहीं है। ताज़ा विवाद राहुल द्वारा लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के बाद फ्लाइंग किस को लेकर जुड़ा है।

राहुल गाँधी जब भाषण समाप्त होने के बाद बाहर लौट रहे थे तो एक ऐसा वाक्या हुआ, जिस पर महिला सांसदों ने आपत्ति जताई है। राहुल ने बीजेपी सांसदों की तरफ फ्लाइंग किस दिया है। इस मामले में 22 महिला सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत की है। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे, हेमामालिनी और रीता बहुगुणा ने स्पीकर से शिकायत इसकी शिकायत की है। उन्होंने संसद में राहुल के अनुचित व्यवहार को लेकर शिकायत दी है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी सांसद शोभा करंदलाजे ने कहा, सभी महिला सदस्यों को फ्लाइंग किस देकर राहुल गांधी चले गए। यह सरासर एक सदस्य का दुर्व्यवहार है। यह एक सदस्य का अनुचित एवं अशोभनीय व्यवहार है। वरिष्ठ सदस्य बता रहे हैं कि भारत की संसद के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। यह कैसा व्यवहार है? वह किस तरह के नेता हैं? इसलिए हमने इसकी सीसीटीवी फुटेज लेने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए लोकसभा अध्यक्ष से शिकायत की है, हमने यही मांग की है।

सामान्यतः कहा जाता है जब पार्टनर बिना आपको स्पर्श किए दूर से चुंबन का इशारा करते हैं तो उसे फ्लाइंग किस कहते हैं। फ्लाइंग किस ज्यादातर अलविदा या गुड लक कहने के मोटिव से की जाती है। गौरतलब है राहुल गांधी इससे पूर्व भी अपने एक्शन को लेकर चर्चा में रहे हैं। संसद में आंख मार सुर्खियां बटोरने के बाद वो फ्लाइंग किस देते कैमरे में कैद हुए थे। राहुल एक बार जबलपुर में चुनावी रैली करने पहुंचे थे।

चिंतन

पाकिस्तान फिर इतिहास दोहराने की तैयारी में?

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

इमरान खान को विभिन्न मामलों में आरोपी बनाकर अटक की जेल में सामान्य कैदियों की तरह रखा गया है। खैर यह तो होना ही था पाकिस्तान का तो इतिहास ही रहा है कि उसके जितने अपदस्थ प्रधानमंत्री हुए हैं सब को जेल की हवा खानी पड़ी है। इमरान को भी इस बात को समझ जाना चाहिए था जिस तरह जुल्फिकार अली भुट्टो को जेल में कैद कर फांसी की सजा दे दी गई थी उसी तरह इमरान पर भी आरोप लगाकर पाकिस्तानी हुक्मरान जुल्फिकार की तरह का व्यवहार करने की तैयारी में है।

भारत और पाकिस्तान दोनों अंग्रेजों की दासता से 1947 में स्वतंत्र हुए थे। दोनों देश विकास की धारणाएं अलग-अलग बनाकर आगे बढ़े थे। भारत विकास और शांति के सोपानों में निरंतर आगे बढा, पंडित जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारत ने पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत नए-नए कल कारखाने और कृषि को प्राथमिकता देते हुए आत्मनिर्भर होने का प्रयास किया गया, और काफी हद तक सफल भी रहा है। पाकिस्तान ने विकास की जगह भारत को सदैव नीचा दिखाने का प्रयास किया, विकास के नाम पर वहां केवल युद्ध और हिंसा को प्राथमिकता दी गई। पाकिस्तान के इतिहास में 18 प्रधानमंत्रियों ने कभी अपना 5 साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया।

प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को विभिन्न आरोप लगाकर फांसी की सजा दे दी थी। उसके बाद उनकी पुत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या करवा दी गई, नवाज शरीफ पर विभिन्न आरोप लगाकर लंदन में जाकर बसने को मजबूर कर दिया गया। इमरान खान को भी विभिन्न अपराधों मैं जेल भेज दिया गया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ से पूरा देश नियंत्रण से बाहर है। अब शहबाज शरीफ इस्तीफा देकर कार्यवाहक प्रधानमंत्री बनने की घोषणा कर चुके हैं अब पाकिस्तान में आम चुनाव होने वाले हैं और इमरान की लोकप्रियता देखते हुए इमरान खान को को जेल में डाला जाना पूर्व नियोजित ही था। 9 मई को जो अराजक तत्वों ने सरकारी इमारतों की तोड़फोड़ की उसका सारा आरोप इमरान खान पर लगाते हुए उन्हें एक बार गिरफ्तार भी कर लिया गया है। अब स्थिति यह है कि पाकिस्तान में आवाम को रोटी, चावल और पेट्रोल, गैस जैसी जरूरी चीजों के लिए तरसना पड़ रहा है। पाकिस्तान में अभी गृह युद्ध जैसे हालात पैदा हो गए हैं। पाकिस्तान की सेना के जनरल मुनीर पाकिस्तान में मार्शल लगाने की तैयारी में और इमरान खान को पूरी तरह नेस्तनाबूद करने में लगे हुए हैं। इमरान खान के सभी बड़े समर्थक नेता पार्टी छोड़कर भाग चुके हैं। महंगाई बेरोजगारी और अराजकता पाकिस्तान में चरम सीमा पर है। प्रधानमंत्री शरीफ के पास देश को बचाने के लिए धनराशि भी नहीं है और इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड, सऊदी अरेबिया, चीन ने पाकिस्तान की मदद करने से हाथ ऊपर खड़े कर लिए हैं। पाकिस्तान में गृह युद्ध की आशंका को इनकार नहीं किया जा सकता, ऐसे में पाकिस्तान में 1971 की तरह बांग्लादेश के निर्माण की कथा व्यथा और इतिहास को दोहराने की संभावना दिखाई दे रही है।

1971 में बांग्लादेश के बंगबंधु मुजीब उर रहमान ने गृह युद्ध की घोषणा कर भारत की मदद से पाकिस्तानी सेना का सामना कर पाकिस्तान को मजबूर कर दिया था और पाकिस्तानी सेना के 83000 जवानों ने जनरल नियाजी के नेतृत्व में भारत के जनरल अरोड़ा के सामने आत्मसमर्पण कर दिया था और इस तरह बांग्लादेश का पृथक से निर्माण हो पाया था। अब किसी तरह भी पाकिस्तान में फिर से गृह युद्ध होता है और मार्शल ला लगाया जाता है तो सिंध, बलूचिस्तान के अलग होने की पूरी संभावना बन रही हैं वहां भी जनता पूरी तरह गृह युद्ध के तेवर में दिखाई देने लगी है। यदि ऐसा होता है तो पाकिस्तान के टुकड़े होने से कोई रोक नहीं सकता। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर 121 मुकदमा चलाए जा रहे हैं। वैसे तो यह पाकिस्तान का इतिहास ही है कि कोई भी प्रधानमंत्री बेदाग प्रधानमंत्री पद नहीं छोड़ पाया है। दूसरी तरफ उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने आम जनता को दाल रोटी और चावल की कमी के कारण भूखमरी के हालात बन गए हैं पाकिस्तान के वर्तमान प्रधानमंत्री के सामने कई क्षेत्रों से चुनौतियां सामने आ रही हैं वह अपनी आवाम को खाना खिलाए या अपनी पुरानी उधारी का कर्ज कई देशों को वापस करें या फिर अपनी सेना को मार्शल ला लगाने से रोकें, शहबाज शरीफ अब पूरी तरह से लाचार दिखाई दे रहे हैं।

उपरोक्त परिस्थितियों में पाकिस्तान का कोई भविष्य नजर नहीं आता है पाकिस्तान को वर्तमान स्थिति से उबरने के लिए आगामी 10 से 20 साल लग सकते हैं और यदि मार्शल ला लगता है तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान के टुकड़े होने से पाकिस्तान रोक नहीं सकता है। पाकिस्तान बड़े देशों की तरफ देखकर निहार रहा है कि कोई उसकी मदद करने के लिए आगे आए परिस्थितियां ऐसी दिखाई नहीं दे रही है कोई बड़ा और समझदार देश पाकिस्तान के इन हालातों में उनकी मदद कर पाएगा। पाकिस्तान को खुद पाकिस्तान के हुक्मरानों ने अपने देश को इस विकराल परिस्थितियों में ढकेल दिया है।

दूसरी तरफ भारत उसका पड़ोसी देश विकास की चरम सीमा पर है आज की आर्थिक स्थिति में भारत विश्व में पांचवें स्थान पर है सामरिक तौर पर भारत की सेना वैश्विक स्तर पर काफी मजबूत मानी जा रही है और भारत के प्रधानमंत्री की जी7 की जापान यात्रा से भारत को ग्लोबल लीडर बना दिया है। यदि दोनों देशों भारत और पाकिस्तान की तुलना करें तो भारत पाकिस्तान से कहीं आगे निकल गया है। अब पाकिस्तान में भयानक अराजक स्थिति बन गई है। पाकिस्तान के टुकड़े होने और वहां गृह युद्ध होने से उसे कोई चमत्कार ही बचा सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

जल जमाव

पटना में बुधवार को बारिश के बाद जलजमाव वाली सड़क से गुजरते वाहन।

मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए पूर्वोत्तर एकजुट होगा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि मणिपुर में जातीय संघर्ष के बावजूद पार्टी अगले साल होने वाले आम चुनाव में राज्य की दोनों लोकसभा सीट जीतेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए तैयार होने और पूरे क्षेत्र में संगठनात्मक ताकत बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया ताकि वह अधिक से अधिक सीट जीत सके। शर्मा ने यहां क्षेत्र की 'विस्तारक' बैठक को संबोधित करते हुए कहा, ''लोग पूछ रहे हैं कि मणिपुर में भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहेगा? मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम राज्य की दोनों लोकसभा सीट जीतेंगे।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि अभी झड़पें हो रही हैं, लेकिन जब नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने की बात आयेगी तो पूरा पूर्वोत्तर एकजुट हो जायेगा।''

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा किये गये विकास कार्यों के कारण मणिपुर में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें 2012 की तुलना में उतनी नहीं बढ़ी हैं जब राज्य में विभिन्न मांगों को लेकर विभिन्न संगठनों ने लंबे समय तक राष्ट्रीय राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''यदि सिलचर-जिरिबाम सड़क नहीं होती तो आज की स्थिति में पेट्रोल और डीजल की कीमतें

1,000 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई होतीं। वर्ष 2012 में यह मार्ग नहीं था और इन उत्पादों को इंफाल तक हवाई मार्ग से ले जाना पड़ता था और कीमतें 350-400 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गई थीं।'' उन्होंने कहा, ''आवश्यक वस्तुओं की कीमतें भी उस हद तक नहीं बढ़ी हैं जितनी 2012 में थीं। (इंफाल) घाटी में आपूर्ति बाधित नहीं हुई है।'' शर्मा ने पार्टी सदस्यों से यह भी कहा कि वे इस बात को लेकर अटकलें न लगाएं कि भाजपा किन सीटों पर चुनाव लड़ेगी और कौन सी सीट वह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में अपने सहयोगियों के लिए छोड़ेगी।

उन्होंने कहा, ''राजग एक वास्तविकता है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि हमें राजग की भावना को बनाये रखना है। हम किस सीट पर चुनाव लड़ेंगे या कोई सहयोगी दल चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा।'' उन्होंने कहा, ''यहां तक कि उन सीटों पर भी जहां आज के परिदृश्य में भाजपा के पास कोई मौका नहीं है, हमें अपनी ताकत का पता लगाने और उस पर काम शुरू करने की जरूरत है।

हमें दीर्घकालिक एजेंडे के साथ काम करना होगा।'' शर्मा ने कहा कि भाजपा की असम इकाई के मंत्री और लोकसभा सांसद चुनाव तैयारियों पर चर्चा के लिए बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में बैठक करेंगे। उन्होंने कांग्रेस पर भी कटाक्ष किया और उस पर सत्ता में अपने कार्यकाल के दौरान देश के लिए काम नहीं करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया, ''कांग्रेस ने कभी भी सामाजिक उत्थान के लिए काम नहीं किया। इसने कभी भी देश की आर्थिक आजादी के लिए काम नहीं किया। इसने केवल परिवारवाद की राजनीति को बढ़ावा दिया है।''

राज्यसभा में टमाटर की माला पहनकर पहुंचे 'आप' सांसद सुशील गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के एक सदस्य बुधवार को टमाटर की बढ़ती कीमतों पर विरोध जताते हुए इसकी माला पहनकर उच्च सदन में आये। सभापति जगदीप धनखड़ ने आप सदस्य के इस आचरण पर आपत्ति जताई और दुख भी व्यक्त किया। आप के सदस्य सतीश गुप्ता बुधवार को सुबह टमाटर की माला पहनकर संसद पहुंचे और वही माला पहने हुए वह उच्च सदन में भी बैठे। सभापति धनखड़ ने इस पर नाराजगी जताई और कहा कि इससे उन्हें बहुत दुख हुआ है। इस दौरान सदन में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के परपोते तुषार गांधी को मुंबई में हिरासत में लिए जाने पर हंगामा हो रहा था।

सदन की कार्यवाही स्थगित करने से पहले धनखड़ ने कहा, ''एक सीमा है... हम अपने आचरण में सुधार ला सकते हैं। राज्यसभा के सभापति के रूप में, मैं बहुत दुखी हूं।'' सदन में प्रवेश करने से पहले 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में गुप्ता ने कहा, ''अब टमाटर खाने के लिए नहीं रहे, अब ये आभूषण बन चुके हैं। 250 रुपये किलो टमाटर का भाव हो गया है,

350 रुपये किलो अदरक का भाव हो गया है। डीजल और पेट्रोल सौ रुपये प्रति लीटर पार कर गया है। डॉलर 85 रुपये पार कर गया है।''

उन्होंने कहा कि महंगाई एक बड़ा मुद्दा है लेकिन सरकार इस विषय पर चर्चा के लिए तैयार नहीं है। गुप्ता ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी नीत केंद्र सरकार ने हिंदुस्तान को जाति और धर्म के आधार पर बांट दिया है और इन्हीं के नाम पर वोट लेना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ''पूरा मणिपुर जला दिया, पूरा हरियाणा जला दिया और महंगाई से पूरा देश झुलस रहा है। हम चाहते हैं कि महंगाई के मुद्दे पर सदन का ध्यान आकर्षित हो और सरकार महंगाई पर लगाम लगाए।''

मर्सिडीज बेंज ने एसयूवी जीएलसी का नया संस्करण पेश किया

नयी दिल्ली/दक्षिण भारत। लक्जरी कार बनाने वाली कंपनी मर्सिडीज बेंज ने बुधवार को अपने प्रीमियम स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) जीएलसी का नया संस्करण पेश किया। इसकी शोरूम कीमत 73.5 लाख रुपये है। कंपनी ने बयान में कहा कि दूसरी पीढ़ी की जीएलसी के पेट्रोल संस्करण की कीमत 73.5 लाख रुपये, तो डीजल संस्करण की कीमत 74.5 लाख रुपये है। बयान के अनुसार, इस मॉडल के लिए अबतक 1,500 बुकिंग मिल चुकी हैं। मर्सिडीज बेंज इंडिया के उपाध्यक्ष (बिक्री एवं विपणन) लांस बेनेट ने पीटीआई-भाषा से कहा, कंपनी चालू वर्ष में बिक्री वृद्धि को दहाई अंक में लाने का लक्ष्य रख रही है। इस साल कंपनी की कुल बिक्री में जीएलसी का हिस्सा 15 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, बुकिंग शुरू होने के पहले दो सप्ताह में इसकी बहुत अच्छी मांग रही। जीएलसी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण उत्पाद है। बेनेट ने कहा कि मर्सिडीज-बेंज ने भारत में जीएलसी की पिछली पीढ़ी की कम से कम 13,000 इकाइयां बेची थीं और नई जीएलसी को लेकर भी कंपनी को भारी मांग की उम्मीद है। पुणे के चाकण स्थित विनिर्माण संयंत्र में स्थानीय रूप से तैयार जीएलसी कंपनी की भारत में सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी है।

हमें ऐसा भारत बनाना है जिसमें जाति और मजहब के आधार पर भेदभाव न हो : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रदेश में 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि हर नागरिक को 'एक

भारत, श्रेष्ठ भारत' का संकल्प लेना होगा और ''हमें ऐसा भारत बनाना है जिसमें किसी भी नागरिक के साथ जाति, मत और मजहब के आधार पर भेदभाव न हो।'' राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि आदित्यनाथ ने काकोरी कांड की 98वीं वर्षगांठ पर 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान की शुरुआत करते हुए महान क्रांतिकारियों, अमर शहीदों, भारत की सीमा की रक्षा करने वाले वीर जवानों और आंतरिक सुरक्षा को बेहतर बनाने वाले जवानों को नमन करते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। सभी नागरिकों से 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का संकल्प लेते की अपील करते हुए योगी ने कहा, ''सभी को एक नागरिक के रूप में अपने कर्तव्य का निर्वाह करना चाहिए। शिक्षक को अध्यापन, छात्रों को अध्ययन, सामाजिक कार्यकर्ता को समाज के उत्थान और प्रशासनिक कार्य में लगे लोगों को अपने दायित्वों को ईमानदारी से निभाना होगा। जो भी लोग अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वाह नहीं कर रहे हैं वह राष्ट्र के साथ धोखा कर रहे हैं।''

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, ''हमें ऐसा भारत बनाना है जिसमें किसी भी नागरिक के साथ जाति, मत और मजहब के आधार पर भेदभाव न हो।''

आदिवासी दिवस

बुधवार को भुवनेश्वर में अंतर्राष्ट्रीय विश्व आदिवासी दिवस (विश्व आदिवासी दिवस) के अवसर पर बीजू जनता दल (बीजद) पार्टी कार्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मनाने के लिए लोक नृत्य प्रस्तुत करते स्वदेशी लोग।

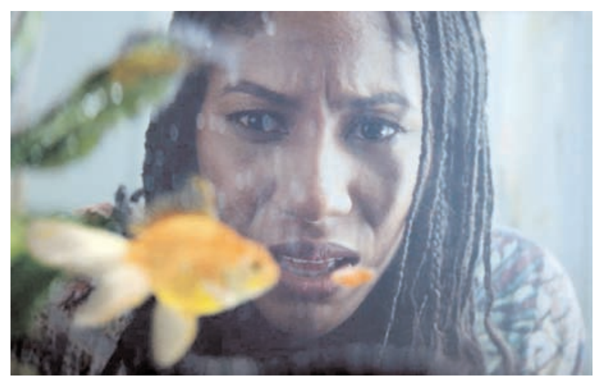

फिल्म 'गोल्डफिश' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री दीप्ति नवल की फिल्म गोल्डफिश का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म 'गोल्डफिश' में अनामिका और साधना, दो महिलाओं को दिखाया गया है। बताया गया है कि वे अपनी जिंदगी में किन चीजों में उलझी हैं और कैसे परेशान हैं। फिल्म में मां और बेटी के नाजुक रिश्ते को भी दिखाया है। इस फिल्म में दीप्ति नवल, कल्कि और रजत कपूर जैसे कलाकर नजर आयेंगे। फिल्म गोल्डफिश के निर्देशक पुशन कृपलानी ने कहा कि गोल्डफिश शुरुआती दौर में डिमेंशिया, आइडेंटिटी और डायसपोरा से जुड़ी फिल्म थी, लेकिन जैसे-जैसे कास्ट जुड़ती गई, फिल्म में और चीजें एड होती गईं। फिल्म में माफ करने की भावना को दिखाया गया है।अपरिहार्य परिस्थितियों में भी मानवता कैसे बनाए रखें, इसके बारे में बताया गया है।

गोल्डफिश के निर्माता अमित सक्सेना ने बताया, गोल्डफिश एक कंटेंट आधारित फिल्म है। फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब सराहा गया, अब हम इसे अपने घर (इंडिया) में ला रहे हैं। फिल्म में परिवार, प्रेम, रिश्ते और समाज सहित अलग-अलग सब्जेक्ट्स पर फोकस किया गया है। गोल्डफिश एक ऐसी फिल्म है, जो आपको थिएटर छोड़ने के लंबे समय बाद भी अपनी दुनिया में खींच ले जाएगी। फिल्म के पात्र आपको अपने परिवार का हिस्सा लगने लगेंगे। दीप्ति और कल्कि इस फिल्म की जान हैं। फिल्म गोल्डफिश 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'गेम ऑफ थ्रोन्स' के एआई वर्जन में डेनेरीस टार्गैरियन बनी ऐश्वर्या

मुंबई/एजेन्सी

सबसे लोकप्रिय शो 'गेम ऑफ थ्रोन्स' में से एक को बॉलीवुड एआई स्पिन दिया गया है, जहां हिंदी फिल्म अभिनेताओं को जॉन स्नो, डेनेरीस टार्गैरियन, आर्य स्टार्क, संसा स्टार्क जैसे पात्रों की प्रतिष्ठित भूमिकाएं दी गई हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से डेनेरीस टारगैरियन की भूमिका के लिए एमिलिया क्लार्क की जगह एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन को लिया गया है। आदित्य रॉय कपूर को निकोलज कोस्टर-वाल्डौ के जैमे लैनिस्टर के रूप में देखा जा सकता है। रणवीर सिंह ने किट हैरिंगटन की जगह ली है। अभिनेत्री आलिया भट्ट आर्या स्टार्क के किरदार में बिल्कुल फिट बैठती हैं, जिसका किरदार मूल रूप से मैसी विलियम्स ने निभाया था। वीडियो के एआई वर्जन में कियारा आडवाणी ने सोफी टर्नर की सांसा स्टार्क की भूमिका निभाई है। इसके बाद तब्बू लीना हेडी की सर्सी लैनिस्टर की भूमिका निभा रही हैं।

'गेम ऑफ थ्रोन्स' जॉर्ज आर. आर. मार्टिन के फैंटेसी नोवेल की एक सीरीज 'ए सॉन्ग ऑफ आइस एंड फायर' का रूपांतरण है, जिसमें से पहला गेम ऑफ थ्रोन्स है। शो की शूटिंग यूनाइटेड किंगडम, कनाडा, क्रोएशिया, आइसलैंड, माल्टा, मोरक्को और स्पेन में की गई थी। इसका प्रीमियर 2011 में अमेरिका में हुआ और मई 2019 में समाप्त हुआ, जिसमें आठ सीजन में 73 एपिसोड प्रसारित हुए। वेस्टरोस और एस्सोस के फिक्शनल कॉन्टिनेंट्स पर सेट, गेम ऑफ थ्रोन्स पूरे शो के दौरान कई कहानियों को फॉलो करता है। पहला पार्ट आर्क वेस्टरोस के सात राज्यों के लौह किंगडम से संबंधित है, जो कुलीन परिवारों के बीच राजनीतिक संघर्षों का है।

दूसरे पार्ट के अपदस्थ शासक वंश के अंतिम वंशज पर केंद्रित है, जिसे एस्सोस में निर्वासित कर दिया गया है और वह वापस लौटने और सिंहासन को पुनः प्राप्त करने की साजिश रच रहा है। तीसरा नाइट्स वॉच को फॉलो करता है, जो एक सैन्य आदेश है। वेस्टरोस की उत्तरी सीमा से परे खतरों के खिलाफ क्षेत्र की रक्षा करता है। सीरीज को 59 प्राइमटाइम एमी अवार्ड्स मिले, जो किसी ड्रामा सीरीज द्वारा सबसे अधिक हैं, जिसमें 2015, 2016, 2018 और 2019 में उत्कृष्ट ड्रामा सीरीज़ शामिल हैं। इसे बेस्ट टेलीविजन सीरीज ड्रामा के लिए गोल्डन ग्लोब पुरस्कार के लिए पांच नोमिनेशन मिले। प्रीक्वल सीरीज 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' का प्रीमियर 2022 में हुआ।

यारियां 2 का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या खोसला कुमार की आने वाली फिल्म यारियां 2 का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज हो गया है। यारियां 2 में दिव्या खोसला कुमार, मिजान जाफरी और पर्ल वी पुरी अहम भूमिका में नज़र आएंगे। यश दासगुप्ता, अनस्वरा रंजन, वरीना हुसैन और प्रिया वारियर जैसे कलाकार भी यारियां 2 में काम करते नजर आयेंगे। राधिका राव और विनय सप्रू के निर्देशन में फिल्म यारियां 2 , 20 अक्टूबर को सिनेमा घरों में रिलीज़ की जाएगी।

जब मैंने 'कोई मिल गया' की पटकथा पढ़ी तो मुझे इसके उद्देश्य का एहसास हुआ : ऋतिक रोशन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई।ऋतिक रोशन ने अपनी पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' में दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश की थी लेकिन 'कोई मिल गया' में उन्होंने एक कलाकार के तौर पर खुद को साबित करने का प्रयास किया था। दूसरे ग्रह के एक मिलनसार प्राणी 'एलियन' पर केंद्रित 'कोई मिल गया' की रिलीज के 20 साल बाद ऋतिक ने बताया कि कैसे इस फिल्म ने उनके करियर को बदल दिया, जब वह खराब दौर से गुजर रहे थे।

ऋतिक ने 'पीटीआई भाषा' को बताया '' जब मेरे पिताजी ने 'कोई मिल गया' का विचार साझा किया तो इसने मुझे तुरंत उत्साहित कर दिया। इसमें वे सभी तत्व थे जो मुझे एक अभिनेता के रूप में प्रेरित करते थे। जब मैंने पटकथा पढ़ी तो मुझे एक उद्देश्य की अनुभूति हुई, क्योंकि यह पटकथा ही एक स्टार थी, मैं नहीं। मैंने तय किया कि मुझे खुद को कलाकार के तौर पर साबित करने का यह एक बेहतर मौका है, जिसे मैं नहीं गंवाउंगा।''

उन्होंने बताया कि बच्चों और वयस्कों के लिए समान रूप से लक्षित इस फिल्म ने

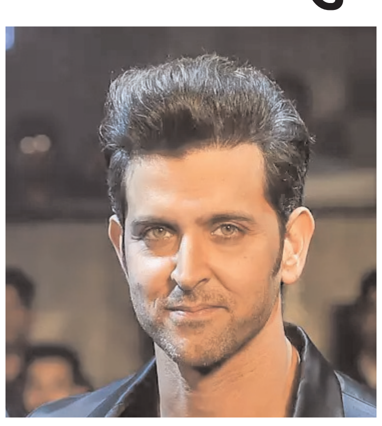

भारतीय कहानीकारों को 'साइंस फिक्शन' की एक ऐसी शैली बताने की उम्मीद जगाई जो भारत में व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य थी। अनुभवी फिल्म निर्माता राकेश रोशन द्वारा निर्देशित फिल्म 'कोई मिल गया' उनके बेटे की पहली फिल्म 'कहो ना प्यार है' बनाने के तीन साल बाद आठ अगस्त 2003 को रिलीज़ हुई थी। ऋतिक ने कहा 'कोई मिल गया' की पटकथा ने मुझे जीत लिया और इस फिल्म का हिस्सा बनने का फैसला मैंने पूरे दिल से लिया था। 'कहो ना प्यार है' के बाद, मैंने सभी लोगों और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए खुद पर बहुत दबाव डाला था।'''कोई मिल गया' रोहित मेहरा (ऋतिक) नामक युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मानसिक रूप से पूरी तरह विकसित नहीं हो पाया है। उसकी दूसरे ग्रह से आये एक प्राणी 'एलियन' से मुलाकात होती है जो उसे शक्तियां देता है। इस प्राणी को रोहित और उसके साथी 'जादू' नाम देते हैं।

प्रीति जिंटा और रेखा अभिनीत यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। फिल्म में तत्कालीन बाल कलाकार हंसिका मोटवानी, ओंकार पुरोहित, जय चोकसी, मोहित मक्कड़ और प्रणीता बिश्नोई ने भी अभिनय किया था। ऋतिक (49) ने कहा कि फिल्म की सफलता टीम के प्रयास का परिणाम थी।

'जादू' बनाने के लिए राकेश रोशन ने ऑस्ट्रेलियाई कलाकारों जेम्स कॉलनर और लारा डेनमैन की मदद ली और बाकी फिल्म में वीएफएक्स का न्यूनतम उपयोग भी किया गया। 'कोई मिल गया' को मिली सराहना ने राकेश रोशन और ऋतिक को 'क्रिश' (2006) और 'क्रिश 3' (2013) बनाने के लिए प्रेरित किया। ऋतिक ने कहा ''हम इस फ्रेंचाइजी को जिम्मेदारी से आगे बढ़ा रहे हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए काफी मेहनत की जा रही है कि फ्रेंचाइज़ी वैश्विक मानकों के अनुरूप हो।''

'डॉन 3' में रणवीर सिंह होंगे नए डॉन

मुंबई/भाषा

अभिनेता रणवीर सिंह फिल्म निर्माता फरहान अख्तर की लोकप्रिय एक्शन फ्रेंचाइजी 'डॉन' के तीसरे भाग में मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फरहान और उनके करीबी मित्र रितेश सिधवानी के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर डॉन के मुख्य किरदार में अभिनेता का फर्स्ट लुक वीडियो पोस्ट करते हुए यह खबर साझा की। बैनर ने इंस्टाग्राम पर लिखा 'एक नए दौर की शुरुआत, डॉन-3' । रणवीर 'डॉन 3' में सुपरस्टार शाहरुख खान की जगह यह किरदार निभाएंगे। शाहरुख ने फरहान की 2006 में आई फिल्म 'डॉन' और 2011 में इसी फिल्म के अगले भाग 'डॉन 2' में डॉन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा जोनास भी थीं। 'डॉन' फ्रेंचाइजी की शुरुआत अख्तर और रितेश सिधवानी के बैनर एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा अमिताभ बच्चन अभिनीत, 1978 की इसी नाम की फिल्म के अधिकार खरीदने के बाद हुई। अमिताभ अभिनीत फिल्म की पटकथा

अनुभवी लेखक जोड़ी जावेद अख्तर और सलीम खान ने लिखी थी।

रणवीर के 'डॉन 3' में काम करने की यह खबर फरहान द्वारा आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की घोषणा करने के एक दिन बाद आई है। ज़ोया अख्तर की 2015 की फिल्म दिल धड़कने दो में एक साथ अभिनय करने के बाद फरहान और रणवीर अब एक बार फिर 'डॉन 3' में एक साथ आएंगे। फरहान ने 'विक्रम वेधा' के पटकथा लेखक पुष्कर और गायत्री के साथ मिलकर 'डॉन 3' की पटकथा लिखी है। फिल्म के लिए संगीत शंकर एहसान लॉय, शंकर महादेवन, एहसान नूरानी और लॉय मेन्डोन्सा देंगे।

8
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | गुरुवार | 10-08-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्रकृति अत्यंत सरल है। इसकी समस्त क्रियाएं बड़ी सरलता के साथ होती हैं। सूर्य का उदय होना, तारों का टिमटिमाना और नदियों का निरंतर बहना आदि कुदरती क्रियाएं होती रहती हैं। वृक्ष फलते-फूलते हैं, रात के बाद दिन आता है, पर्वत-चट्टानें स्थिर हैं। वस्तुतः प्रकृति जटिलताओं का उद्गम स्रोत नहीं है, उन्हें वह निर्मित भी नहीं करती। प्रकृति की क्रियाएं क्यों हो रही हैं या फिर क्या होना चाहिए, जैसे प्रश्नों से जटिलताएं आती हैं। प्रकृति में सब कुछ स्वयं ही होता है। प्रकृति की तरह जो चीज सरल रहती है, वही सत्य है। ऊपर से यह बात सहज जान पड़ती है, पर यह उतनी सरल नहीं है।

वैराग्य का गुण प्रकट होने पर शांति का साम्राज्य निर्मित होता है : आचार्य उदयप्रभसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में योगनिष्ठ आचार्य केशरसूरी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी ने अध्यात्म कल्पद्रुम ग्रंथ के वैराग्य उपदेश अधिकार का विश्लेषण करते हुए कहा कि वैराग्य का मतलब है जो मोह, राग, द्वेष, संक्लेश खड़ा करे, वैसा स्नेह नहीं करना। हृदय में प्रेम की निर्मलता होनी चाहिए। वैराग्य का गुण प्रकट होने पर शांति का साम्राज्य निर्मित होता है। ज्ञानी कहते हैं विषय का त्याग करना, विषय के संपर्क का त्याग करना, विषय के संबंध का त्याग करना, विषय के स्मरण का त्याग करना और विषय के छोड़ने के अहंकार का त्याग करना ही वैराग्य है। जहां मेरा तेरा भुला दिया, वहां वैराग्य आता है। ज्ञानियों ने त्याग के लिए विकल्प दिए हैं। प्रभु की साधना, सम्मान भी स्यादवाद है। प्रभु की करुणा तो सर्वपक्षी है। वे सभी जीवों के लिए एकसमान सोचते हैं। वैराग्य के फायदे बताते हुए उन्होंने कहा वैराग्य आने से राग और द्वेष मंद होते हैं। उन्होंने कहा आश्चर्य है कि मृत्यु घेराव बनकर खड़ी है, श्मसान में हजारों लोगों को जाते देखा है, फिर भी लोग संसार के अनित्य पदार्थों के मोह में लीन है।

आचार्यश्री ने कहा मन का नियंत्रण साधना का ही नहीं, संसार का भी मार्ग है। मन का नियंत्रण होने से वर्तमानकाल में काया और वचन मित्र बनकर चलते हैं। मन के नियंत्रण में होने से स्वास्थ्य अच्छा रहता है। उन्होंने कहा अस्वस्थ मन बेचैन हो उठता है, इसलिए अजीर्ण होने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने सम्यकज्ञान, समझ और समर्पण का अर्थ समझाते हुए कहा इन तीनों का समन्वय ही 'समाधि' का उपाय है। एक पाप की सजा कई गुना मिल सकती है। कई बार बाहर का लक्षण अलग होता है, अंदर का हृदय अलग रहता है। समर्पण का मतलब है ज्ञान और समझ को लुटा देना यानी आगे वाले की मार खाकर भी उसका भला करना। उन्होंने कहा हमें किसी का तारक बनना चाहिए, मारक नहीं।

सात जन्मों के शुभ पुण्य का उदय हो तो ही संत के दर्शन होते हैं : साध्वी चैतन्याश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वीश्री चैतन्याश्रीजी म.सा. ने अपने प्रवचन में बताया कि उतराध्ययन सूत्र में धर्म कथा सुनने के अनेक लाभ बताए हैं। पहला निर्जरा, दूसरा प्रवचन की प्रभावना, तीसरा आगामी भव के अशुभ कर्म नष्ट हो जाते है। पिछले सात जन्मों के शुभ पुण्य का उदय हो तो संत के दर्शन होते हैं तथा पहले के चौदह जन्मों के पुण्य उदय हो तो संतों को वंदन करने की भावना होती है तथा पहले के इक्कीस जन्मों के पुण्य उदय होते है तो संतों से जिनवाणी सुनने को मिलती है। अर्थात इक्कीस जन्मों के पूर्व में किए हुए पुण्य हो तो ही धर्म श्रवण करने की इच्छा होती है। धर्म श्रवण में तीन बातें रुकावट बनती है। पहला संपत्ति का नशा,दुसरा सत्ता का नशा, तथा तीसरा जवानी का नशा और इसी कारण से धर्म श्रवण कर नहीं पा रहे है।

साध्वीश्री ने कहा कि धर्म श्रवण एक कान से सुनकर दूसरे कान से न निकाले, कान से सुनकर मुंह से न निकाले, कान से सुनकर मस्तिष्क तक सीमित न रखें किंतु हृदय में उतारे तो ही जीवन में बदलाव होगा। अतः धर्म श्रवण शबरी को दिया गया दूसरा मंत्र था। तीसरा मंत्र श्री राम ने सेवा का बताया है से अर्थात समंदर व अर्थात वारिधि जो रिश्तों के समंदर को जोड़ने का कार्य करते है वह सेवा होती है। सेवा करने से तीर्थंकर गोत्र का उपार्जन किया जा सकता है। तीर्थंकर का पद संसार में सबसे बड़ा पद है।सेवा और तप में श्रेष्ठ सेवा बताई है। संवेदना समर्पण समता इन तीनों से सेवा की जाती है। वात्सल्य विनय विवेक सेवा के लिए आवश्यक है। प्रचार प्रसार समिति के संयोजक गौतमचंद गुगलिया ने बताया कि 13अगस्त को 12 वर्ष से 25 वर्ष तक के बच्चों के लिए एक दिन कि दया का आयोजन किया गया है। यह जानकारी पुरुषवाक्कम संघ के अध्यक्ष विनयचन्द पावेचा ने दी।

ख़ुद को बेहतर तरीक़े से समझने वाला ही समझदार प्राणी है : आचार्य देवेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री सुमतिवल्लभ नॉर्थटाउन मूर्तिपूजक जैन संघ के संघ भवन में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीजी ने कहा कि हर व्यक्ति के सोचने और समझने का तरीका अलग होता है। कुछ लोग बहुत ही समझदार होते हैं। वे जानते हैं कि परेशानियों से कैसे निकला जा सकता है। हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करते हैं। कठिन परिस्थिति को अपने पर हावी हुए बिना उसका हल निकालते हैं। लोग इन आदतों से भी आपकी छवि के बारे में बहुत हद तक जज कर लेते हैं। ऐसे लोग समझदार कहलाते हैं। वहीं कुछ लोगों के लिए ऐसा करना बहुत ही मुश्किल होता है। हर व्यक्ति चाहता है कि उसे समझदारी वाली श्रेणी में रखा जाए। लेकिन ऐसा सबसे साथ होना थोड़ा मुश्किल है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार व्यक्ति में कुछ ऐसी आदतें होती हैं जो उसे समझदार बनाती हैं।

उन आदतों के बारे में आचार्य श्री ने आगे कहा कि कुछ लोगों में ये आदत होती है वे नई-नई चीजों को सीखने के जिज्ञासा रखते हैं। ऐसे लोग न केवल बहुत ही समझदार होते हैं बल्कि उन्हें बहुत सी चीज़ों के बारे में ज्ञान भी होता है। ये चीजें इन्हें आगे बढ़ने में मदद करती हैं। करियर में ऐसे लोग बहुत आगे जाते हैं। कुछ लोग ऐसे होते हैं जो हर समय ये साबित करने की कोशिश करते रहते हैं कि वो बाकी लोगों से श्रेष्ठ हैं। इस वजह से लोग उन्हें घमंडी भी कहने लगते हैं। वहीं कुछ लोग ऐसे होते हैं जिनमें ये आदत नहीं होती है। उन्हें भले ही कितनी भी चीजों के बारे में पता हो लेकिन वे ये जताने की कोशिश नहीं करते हैं। इसलिए वे और अधिक सीख भी पाते हैं। रिस्क लेने वाले व्यक्ति को दूसरों से ज्यादा समझदार माना जाता है। इन लोगों को इस बात का अंदाजा होता है कि अगर नुकसान हुआ तो ये उससे कैसे बाहर निकलेंगे और फायदा हुआ तो ये जीवन में कितना आगे बढ़ सकेंगे। वहीं कुछ लोग इसके बिलकुल विपरीत होते हैं जो हर छोटी से छोटी चीज के लिए स्टेप लेने से घबराते हैं। अंत में आचार्य श्री ने कहा कि जो लोग खुद को समय देते हैं। खुद के साथ समय बिताते हैं। ऐसे लोग बहुत ही समझदार माने जाते हैं। ये लोग खुद को बेहतर तरीके से समझ पाते हैं।

दृढ़ मनोबली ही करते तप : मुनि दीपकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में राकेश खटेड़ ने 10 दिन व अंजली सुराणा ने 8 दिन का उपवास का प्रत्याख्यान किया। तेरापंथी सभा, महिला मंडल, युवक परिषद एवं राजराजेश्वरीनगर की अन्य संस्थाओं ने तप की अनुमोदना की। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि दृढ़ मनोबली लोग ही तपस्या कर सकते हैं। तप से वह पूर्व कर्मों को क्षीण कर सकते है। सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने तपस्वियों की अनुमोदना करते हुए कहा कि गुरु कृपा से यहां विजयनगर में मुनिश्री की प्रेरणा से तप की सरिता प्रवाहित हो रही है। इस कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष प्रकाश गांधी, उपाध्यक्ष विनोद पारेख, सहमंत्री लाभेश कांसवा,तेयुप उपाध्यक्ष विकास बांठिया, महिला अध्यक्ष मंजू गादिया, मंत्री आशा कोठारी, अर्हम मित्र मंडल के पदाधिकारीगण श्रावक समाज उपस्थित थे।

केवलज्ञान हमारे अंदर ही मौजूद, आवश्यकता है कर्म क्षय की : मुनि मनीषप्रभसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्यश्री मनीषप्रभसागरजी व मतिषप्रभ सागरजी चातुर्मासार्थ विराजित है। गणिवर्य मनीषप्रभसागर जी ने कहा कि परमात्मा महावीर ने केवल ज्ञान प्राप्त किया। केवलज्ञान कोई बाजार में नहीं मिलता, न कोई दुकान में मिलता नहीं गलियों में, केवलज्ञान तो हमारे भीतर में मौजूद था बस परमात्मा की साधना द्वारा कर्म क्षय करके कर्मों के आवरण को दूर करके केवलज्ञान को प्रकट किया जा सकता है। हमारे भीतर में भी केवलज्ञान का दीपक जगमगा रहा है बस उसके ऊपर कर्मों का आवरण आया हुआ है इसलिए प्रकट नहीं हो रहा है। हमें भी पुरुषार्थ द्वारा तप-त्याग, आराधना-साधना, अपने आचरण द्वारा अपने व्यवहार से अपने कर्मों का आवरण को दूर करना है । आध्यात्मिक क्षेत्रों में हमें ही पुरुषार्थ करना होगा, दूसरों का पुरुषार्थ काम नहीं आता। यहां पर आधा अधूरा पुरुषार्थ काम नहीं आता, यहां पूरा पुरुषार्थ करना पड़ता है। धर्म कभी आधा अधूरा नहीं होता, धर्म अपने आप में पूर्ण है इसलिए हमेशा पूरे मन से धर्म करें तभी फल मिलेगा। सम्यक दृष्टि, सम्यक चिंतन, सम्यक पुरुषार्थ साथ करना ही हमार लक्ष्य होना चाहिए तभी देव, गुरु, धर्म की कृपा में वृद्धि होगी। मंगलवार को साधुओं के साथ केश लोच करवाने वाले संघ के उपाध्यक्ष पूनम झाबक औरदिनेश गोलेछा का सम्मान किया गया। सब का स्वागत अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया। संचालन सचिव श्यामसुंदर लूनिया ने किया। प्रदेश युवक परिषद के अध्यक्ष दीपक नाहटा ने धन्यवाद दिया।

क्रोध के सामने हमें क्षमा का गुण रखना चाहिए : साध्वी प्रियकल्पनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बसवनगुड़ी स्थित जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी की निश्रा में साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी ने कहा कि क्रोध के सामने हमें क्षमा का गुण रखना चाहिए। परमात्मा को एक ही रात्रि में बीस उपसर्ग हुए थे लेकिन परमात्मा ने तिल मात्र भी क्रोध नहीं किया। देव और इन्द्र स्वयं परमात्मा की रक्षा करने आए लेकिन परमात्मा को तो बिना किसी की सहायता के अपने कर्मों को खपाना था, कर्मों को क्षीण करना था। वो तो आत्मा की स्वभाव दशा में थे, हमें भी आत्मा की विभाव दशा से स्वभाव दशा में आना है और परीक्षा की घड़ियों में क्षमा का गुण विकसित करना है और प्रतिकूल परिस्थिति में भी अनुकूलता का भाव रखना है तभी हमारे जीवन में सच्ची साधुता आएगी। हमारी आत्मा का स्वभाव ही मान के सामने नम्रता और सरलता का है।

साध्वीश्री ने कहा कि परिवार में सुख शांति के लिए एडजस्ट और एक्सेप्ट करना सीखना है। वृक्ष के ऊपर जैसे जैसे फल लगेगा वैसे वैसे वो विनम्रता की ओर बढ़ता हुआ झुकता जाता है। जो भी हो रहा है वह हमारे पुण्य से हो रहा है उसमें हमें कुछ भी अभिमान नहीं करना है। अभिमान से बचने के लिए कोई हमारी प्रशंसा कर भी दे तो हमें यही विचार करना है कि जो भी हो रहा है वह परमात्मा और देव, गुरु, धर्म की कृपा से हो रहा है, हम तो सिर्फ निमित्त मात्र हैं। ज्ञानियों ने कहा है कि हम जिस चीज का अहंकार करेंगे वह चीज आगामी भवों में हमारे लिए दुर्लभ होती जाएगी।

परमात्मा के जगत में प्रवेश करने के लिए श्रद्धा जरुरी : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने कहा कि परमात्मा के जगत में प्रवेश करने के लिए श्रद्धा होनी जरुरी है। श्रावक एवं श्राविकाओं को परमात्मा की द्रव्यपूजा एवं भाव पूजा के विषय में समझाते हुए कहा कि अंगपूजा और अग्रपूजा करते है, वो द्रव्यपूजा है। अंगपूजा में जलपूजा, चंदनपूजा और पुष्पपूजा आती है और अग्रपूजा में धूपपूजा, दीपकपूजा, अक्षतपुजा, नैवेध पूजा और फलपूजा आती है। महातीर्थ श्री सिद्धाचल महातीर्थ की महिमा बताते हुए कहा कि दादा आदिनाथ के दर्शन से पहले तीन प्रदक्षिणा देनी चाहिए, प्रदक्षिणा देते देते अनेक जिन बिंबों एवं गणधर बिंबों का दर्शन होता है।

मुनि श्री श्रमणपद्मसागरजी म.सा ने परमात्मा की अष्ट प्रकार की पूजा में चंदन पूजा के विषय में समझाया कि चंदन हमेशा शीतलता प्रदान करता है। पूजा करते वक्त प्रभु से प्रार्थना करनी चाहिए कि प्रभु आप अनंतगुणों के भंडार हो पर मेरे में अवगुण बहुत है, मेरे दोषों का नाश करो, गुणों का आरोपण करो, चरण की पूजा करते हुए विवेक गुण को प्राप्त करना चाहिए।

'प्रभु की पूजा करना हर तरह से लाभकारी'

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रियमंत्रान्जनाश्रीजी ने कहा कि प्रणाम के भी तीन प्रकार है अंजलिबद्ध प्रणाम, अर्धांवनत प्रणाम और पांचो अंग से किया जाने वाला पंचांग प्रणिपात। पूजा के भी तीन प्रकार अंग पूजा, अग्रपूजा और भाव पूजा। अंग पूजा में परमात्मा का की जल पूजा (अभिषेक), केसर पूजा और पुष्प पूजा आती है। मेरु पर्वत पर जब परमात्मा का अभिषेक होता है उस समय देवता एक करोड़ 60 लाख कलशों से परमात्मा का अभिषेक करते हैं। अभिषेक का जल मेरु पर्वत की जिस भूमि पर गिरता है वह उपजाऊ हो जाती है, परमात्मा का अभिषेक मस्तक पर एक धार से किया जाता है। परमात्मा की केसर पूजा का प्रारंभ चरणों से होता है शरीर की पूरी ऊर्जा का केंद्र स्थान चरण है। माता-पिता और बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद चरण स्पर्श करके लेना चाहिए।

हर परिस्थिति में धैर्य रखने वाला ही बुलंदियों को छूता है : साध्वी धर्मप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के साहुकारपेट में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी धर्मप्रभाजी ने कहा कि आपत्ति और विपत्तियों मे जो इंसान धैर्य रखता है वही व्यक्ति संसार में बुलंदियों को छूता है। जिंदगी मानव का इम्तिहान लेती है। समय चाहे कितना भी खराब और बुरा हो पर अपने धैर्य को खोना नहीं चाहिए। मनुष्य के इरादे नेक है तो जीवन मे कितने भी संकट और विपत्ति आ जाए लेकिन धैर्य और साहस रखने वाला व्यक्ति कभी भी अपना हौसला नहीं खोयेगा। धैर्य ही मनुष्य को जीवन में सभी बाधाओं को पारकर सफलता के सोपान पर ले जाने में सहायक बनता है। इंसान के जीवन मे जितनी भी विपत्तिया और संकट जो आते वह कर्मो के आधार पर ही आते है। जीवन में संघर्ष ना हो तो मनुष्य विपत्तियो और संकटों से मुकाबला करना नहीं जान सकता है। दुःख और विपत्तिया को जो झेल सकता है वो इंसान जीवन मे कितने भी संकट आ जाए वो मरना नहीं चाहेगा। परन्तु परेशानियों से घबरा करके मृत्यु को जो गले लगा लेता है, ऐसे व्यक्ति को परमात्मा के वहा पर भी शरण नहीं मिलती है क्योंकि जीवन एक संघर्ष वही इंसान जीत सकता हो जो संघर्ष और बाधाएं आने पर अपने धैर्य को नहीं खोता है वही इंसान संसार मे महान बनता है। साध्वी स्नेहप्रभाजी ने कहा कि विपत्ति में यदि धीरज के साथ काम लिया जाये तो विपदा स्वतः दूर हो जाएगी। बुरा समय व्यक्ति के धैर्य, प्रतिभा, ज्ञान व नैतिकता की परीक्षा लेता है। इस विपत्ति और संकट की परीक्षा मे वही व्यक्ति पास होता है जो धैर्य सूझबूझ के आगे बढ़ता है वही सफलताओं का स्पर्श कर सकता है। धैर्य विहीन व्यक्ति सदैव विचलित रहता है,और जो व्यक्ति धर्म से जुड़ा हुआ रहेगा वह जीवन मे कितनी भी बाधाएं संकट आ जाऐ मुश्किल हालातो में भी धैर्य से समस्याओं का निदान खोज सकता है। इस दौरान धर्मसभा में बेंगलूरु, महाराष्ट्र, राजस्थान आदि से अनेक श्रद्धालुओं ने साध्वीद्वय के दर्शन किए। संघ के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

आदि गौड़ समाज टीम बनीं वीपीएल ट्रॉफी चैम्पियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय विप्र स्पोर्ट्स क्लब द्वारा प्रायोजित विप्र प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामिंट सिल्वर जुबली वर्ष 2023 के फाइनल में आदिगौड़ समाज टीम का दाहिमा यंगस्टर क्लब टीम से मुकाबला हुआ था जिसमें आदि गौड़ समाज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए वीपीएल ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार आदिगौड़ टीम के दुर्गेश शर्मा को मिला। फाइनल मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार पण्डित दामोदर विकास गौड़ की तरफ़ से प्रदान किया गया। क्लब के महासचिव शंकरलाल शर्मा ने सभी का स्वागत किया। रैफ़री चेयरमैन सुरेन्द्र व्यास ने प्रतियोगिता के बारे में जानकारी दी। क्लब के चेयरमैन चैनराज सेवग ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी। सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज़ का पुरस्कार दाहिमा टीम के आशीष भेडा को क्रिधा लैमिनेट की तरफ़ से, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज़ का पुरस्कार आदिगौड़ टीम के कपिल शर्मा को श्री कृष्णा लॉजिस्टिक की तरफ़ से, टूर्नामेण्ट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार आदिगौड़ टीम के कपिल शर्मा को गिरीश सेवग की तरफ़ से प्रदान किए गये। ऊपविजेता ट्रॉफी दाहिमा यंगस्टर क्लब टीम को उगमराज, चैनराज सेवग परिवार की तरफ़ से दिया गया। मुख्य विजेता ट्रॉफी आदिगौड़ समाज टीम को श्रीनिवास, वेंकटेश तिवारी परिवार की तरफ़ से प्रदान की गई। क्लब के अध्यक्ष शशिकांत गौड़ ने सभी को धन्यवाद दिया।

अज्ञान से मुक्ति ही आत्मा को बल प्रदान करती है : मुनि वैभवरत्नविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के एकाम्बेरशम अग्रहार में स्थित राजेन्द्र भवन में चातुमार्सर्था विराजित आचार्यश्री जयंतसेनसूरीश्वरजी के शिष्य मुनि डॉ वैभवरत्नविजयजी ने 'अभिधान राजेंद्र कोष भाग 7' के विषय में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संलेखना यानी आत्मा के स्वरूप का मिलन होना और यह मिलन के लिए शरीर के राग का, कर्म का, अज्ञान का मृत्यु होना ही चाहिए। जहां जिस समय अज्ञान से मुक्त हो गए उसी क्षण आत्मा का बल श्रेष्ठ रूप से प्रकट होता ही है। आत्मा की कभी भी मृत्यु होती ही नहीं है और जिसकी मृत्यु होती ही है वह हमारा न था, न है और न ही रहेगा। हमारा जीवन सिर्फ जीने के लिए ही नहीं है किंतु जीतने के लिए ही है। परमात्मा बनने का मार्ग सरल है चाहे देह की, पैसों की, परिवार की, मृत्यु हो लेकिन, 'मैं' उन सभी से भिन्न हूं अमर हूं। जब तक हमारे मन में रहे पापों, गलतियों के पर्दे का नाश नहीं हुआ तब तक अनंत बार मृत्यु हो सकती है। राजेन्द्रसूरीजी म.सा. ने देह की मृत्यु होने से पहले ही देह के अज्ञान की, कर्म की, पूर्ण रूप से मृत्यु की थी। जैन दर्शन जैसा महान दर्शन मिलने के बाद हमारे जीवन में भय, क्रोध, मान, निंदा, ईर्ष्या,द्वेष, माया से मुक्ति होनी ही चाहिए। जिसके पास श्रद्धा रूपी चक्षु नहीं है उसे भगवान भी नहीं बचा सकते हैं। जैन दर्शन पाने के बाद हमारे अज्ञान की भी मृत्यु होनी चाहिए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.